www.adbhutsamachar.com

अद्भुत समाचार

वर्ष – 15 | अंक–48 | RNI-No. : UPHIN/2011/43806 | लखनऊ,शुक्रवार 16 जनवरी, 2026 | प्रातः कालीन संस्करण | (हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–4 | मूल्य 1 रुपया

फरवरी से प्रदेश में चलेगा 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोज अभियान

जनभागीदारी से इलाज तक पहुंचेगी योगी सरकार

लखनऊ,15जनवरी (एजेंसी) योगी सरकार तपेदिक (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक बार फिर बड़े स्तर पर कदम उठाने जा रही है। प्रदेश में फरवरी से 100 दिवसीय विशेष सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक टीबी मरीजों की पहचान कर समयबद्ध इलाज सुनिश्चित करना है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों और सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया है। स्वास्थ्य महानिदेशक द्वारा सभी अपर निदेशकों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को इस संबंध में विस्तृत दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं।स्वास्थ्य विभाग ने टीबी को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती मानते हुए एक और अहम पहल की है। टीबी रोगियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने कौशल विकास विभाग को पत्र भेजकर टीबी मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देने का अनुरोध किया है, ताकि इलाज के साथ–साथ उनका सामाजिक पुनर्वास भी सुनिश्चित हो सके।स्वास्थ्य सचिव डॉ. पिंकी जोवल के अनुसार, प्रदेश में 7 दिसंबर 2024 से सघन टीबी खोज अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2015 की तुलना में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी मरीजों की संख्या में 17 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, वहीं टीबी से होने वाली मौतों में भी 17 फीसदी की गिरावट आई है। इन्हीं उपलब्धियों को और मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर फरवरी से नया 100 दिवसीय विशेष अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया है।स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. आरपी सिंह सुमन ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान की सफलता के लिए जनभागीदारी बेहद आवश्यक है। इसी क्रम में सभी जिलों के सीएमओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे सांसदों के साथ दो माह में जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित करें और उन्हें निःक्षय शिविरों तथा अन्य जनसहभागिता से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल करें। यह प्रक्रिया आगे भी निरंतर जारी रखी जाएगी। इसके अलावा विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, ग्राम प्रधानों और पार्षदों को भी अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।सामाजिक जागरूकता को व्यापक स्तर पर फैलाने के लिए 'माई भारत' वालंटियर्स और पंजीकृत निःक्षय मित्रों की भी सेवाएं ली जाएंगी। टीबी की समय रहते पहचान के लिए सभी कारागारों और मलिन बस्तियों में अनिवार्य रूप से स्क्रीनिंग कराई जाएगी। साथ ही शिक्षा संस्थानों में बच्चों और युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से प्राथमिक विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता और अन्य रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।अभियान के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी विशेष रूप से प्रशिक्षित और जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि वे अपने क्षेत्र में टीबी के लक्षण वाले व्यक्तियों को समय पर जांच के लिए भेज सकें। परिवहन विभाग से जुड़े सभी चालकों और कंडक्टरों की स्क्रीनिंग कराई जाएगी, वहीं कारखानों और औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए विशेष जांच शिविर लगाए जाएंगे।रणनीति के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और उनसे नीचे की स्वास्थ्य इकाइयों से सामान्य ओपीडी में आने वाले कम से कम पांच प्रतिशत लोगों को टीबी जांच के लिए रेफर किया जाए, जबकि जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में यह लक्ष्य 10 प्रतिशत रखा गया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से टीबी जांच के लिए सैंपल ट्रांसपोर्ट की प्रभावी व्यवस्था की जाएगी, ताकि दूर–दराज के इलाकों में भी जांच में कोई बाधा न आए। बुजुर्गों और गंभीर रूप से बीमार मरीजों की यथासंभव उनके पास ही जांच कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।इसके साथ ही स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, कॉरपोरेट संस्थानों, विभिन्न विभागों और सामाजिक संस्थाओं को निःक्षय मित्र के रूप में आगे आने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि टीबी उन्मूलन को एक जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा सके। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि जनसहयोग, समय पर पहचान और समुचित इलाज के माध्यम से प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में ठोस और स्थायी परिणाम हासिल किए जाएं।

लोकतंत्र को लेकर भारत ने दुनिया को गलत साबित किया

सीएसपीओसी में बोले पीएम मोदी

संसद भवन में राष्ट्रमंडल अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी), 2026 में अपने संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री ने वैश्विक दक्षिण के एजेंडे को आगे बढ़ाने में भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला।

नई दिल्ली ,15जनवरी (एजेंसी)प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत हर वैश्विक मंच पर वैश्विक दक्षिण के हितों की पुरजोर वकालत कर रहा है, और वैश्विक एजेंडा के केंद्र में इस क्षेत्र की चिंताओं को लगातार प्राथमिकता देने के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया। संसद भवन में राष्ट्रमंडल अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी), 2026 में अपने संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री ने वैश्विक दक्षिण के एजेंडे को आगे बढ़ाने में भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उसके नवाचारों से पूरे वैश्विक दक्षिण और राष्ट्रमंडल देशों को लाभ मिले, और साथ ही सहयोगी देशों के लिए ओपन–सोर्स प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है ताकि वे भारत में लागू की जा रही प्रणालियों के समान प्रणालियाँ विकसित कर सकें।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हर वैश्विक मंच पर वैश्विक दक्षिण के हितों की पुरजोर वकालत कर रहा है। जी20 की अध्यक्षता के दौरान भी भारत ने वैश्विक एजेंडा के केंद्र में वैश्विक दक्षिण की चिंताओं को रखा है। भारत का निरंतर प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि हम जो भी नवाचार करें, उससे पूरे वैश्विक दक्षिण और राष्ट्रमंडल देशों को लाभ मिले। हम ओपन–सोर्स तकनीकी प्लेटफॉर्म भी बना रहे हैं ताकि वैश्विक दक्षिण में हमारे सहयोगी देश भी भारत जैसी प्रणालियाँ विकसित कर सकें। प्रधानमंत्री ने भारतीय लोकतंत्र के समावेशी स्वरूप पर जोर देते हुए कहा कि इसकी पहचान अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता से होती है।जन कल्याण की भावना से प्रेरित होकर, हम समावेशी रूप से काम कर रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी पीछे न छूटे। इसी प्रतिबद्धता के कारण भारत ने हाल के वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।

मुंबई में थमा मतदान, बीजेपी-महायुति और ठाकरे बंधुओं के बीच सत्ता का महासंग्राम

नई दिल्ली 15जनवरी (एजेंसी)मुंबई में महत्वपूर्ण बीएमसी चुनावों के साथ–साथ महाराष्ट्र भर के 28 अन्य नगर निगमों के चुनावों के लिए मतदान संपन्न हो गया है। मुंबई में हुए महत्वपूर्ण बीएमसी चुनावों में यह आरोप लगने से विवाद खड़ा हो गया कि मतदाताओं की उंगलियों पर लगी स्याही को एसीटोन से आसानी से मिटाया जा सकता है। यह दावा इंटरनेट पर खूब वायरल हुआ और कई विपक्षी नेताओं ने भाजपा सरकार पर हमला बोला। इस बीच, चुनाव आयोग ने एक बयान जारी कर इस आशंका को खारिज कर दिया कि कोई मतदाता दो बार वोट डाल सकता है और घटना की जांच के आदेश भी दिए।देश के सबसे अमीर महानगरपालिका के 227 पार्षदों को चुनने के लिए सुबह 7रू30 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू हुआ जो शाम 5रू30 बजे समाप्त हुआ। बीएमसी पार्षद चुने जाने के लिए करीब 1,700 उम्मीदवार मैदान में हैं। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक अपराह्न 1.30 बजे तक पूर्वी उपनगरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 114 में सबसे अधिक 41.08 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो मुंबई के कुछ हिस्सों में मजबूत मतदाता भागीदारी को दर्शाता है। दक्षिण मुंबई के वार्ड नंबर 227 में शुरुआती छह घंटों में सबसे कम 11.24 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। महाराष्ट्र में 29 नगर निकायों के चुनाव के लिए बृहस्पतिवार सुबह मतदान शुरू हुआ और सबकी नजर मुंबई पर टिकी हैं, जहां आर्थिक रूप से समृद्ध बीएमसी पर शासन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति और ठाकरे बंधुओं के गठबंधन के बीच दिलचस्प मुकाबला है। निकाय चुनाव में मतदान करने वाले प्रमुख नेताओं में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे, उनके चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक शामिल हैं। अक्षय कुमार, आमिर खान, गुलजार, सलीम खान, परेश रावल, हेमा मालिनी, जॉन अब्राहम, सोनाली बेंद्रे, ईशा कोप्पिकर, तमन्ना भाटिया, दिव्या दत्ता और गायक कैलाश खेर जैसी फिल्मी हस्तियों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर, उनकी पत्नी अंजली, बेटी सारा और मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर ने भी अपने–अपने वार्ड में मतदान किया।

जवानों के साहस को सलाम, देश उनकी निस्वार्थ सेवा का सदा ऋणी रहेगा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए इस दिन को उन सैनिकों के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि बताया, जो दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सेवा करते हैं।

नई दिल्ली 15जनवरी (एजेंसी)विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को सलाम किया। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा आज सेना दिवस पर हमारे सैनिकों के साहस और दृढ़ संकल्प को सलाम। राष्ट्र उनके निस्वार्थ सेवा के लिए उनके और उनके परिवारों के प्रति सदा कृतज्ञ रहेगा। भारत में हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है, यह दिवस लेफ्टिनेंट जनरल कोडंडेरा एम. कारियाप्पा (जो बाद में फील्ड मार्शल बने) द्वारा 15 जनवरी 1949 को भारत के अंतिम ब्रिटिश कमांडर–इन–चीफ जनरल फ्रांसिस रॉय बुचर से भारतीय सेना के पहले कमांडर–इन–चीफ के रूप में पदभार ग्रहण करने की स्मृति में मनाया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए इस दिन को उन सैनिकों के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि बताया, जो दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सेवा करते हैं।राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने पत्र में लिखा कि मैं 2026 के सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को हार्दिक बधाई देती हूँ। सेना दिवस हमारे उन सैनिकों के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को याद करने का दिन है जो राष्ट्र की सेवा में अडिग हैं। भारतीय सेना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार है। इसने सीमाओं की रक्षा करने और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जीवन बचाने में व्यावसायिकता, प्रतिबद्धता और वीरता की उच्चतम परंपराओं को निरंतर कायम रखा है। मैं ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के वीरतापूर्ण प्रदर्शन और उत्कृष्ट सफलता की सराहना करती हूँ। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय सेना राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान जारी रखेगी और आर्थिक प्रगति एवं समावेशी विकास को सुगम बनाएगी। मैं अपने सैनिकों को सलाम करता हूं और भारतीय सेना के प्रति राष्ट्र की अटूट कृतज्ञता को दोहराता हूं तथा सभी रैंकों के जवानों को उनके नेक कर्तव्य में निरंतर सफलता, शक्ति और गौरव की कामना करता हूं।

सोखाना राजा साहिब नाभा कलां में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के 169 पावन स्वरूप मिले, 139 का कोई रिकार्ड नहीं

अमृतसर ,15जनवरी (एजेंसी) थाना सी डिवीजन, अमृतसर में दर्ज मुकदमा नंबर 168 (दिनांक 17 दिसंबर 2025) के तहत स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (स्ढ्ढञ्ज) ने बुधवार को बंगा के नजदीक गांव मजारा नौ आबाद स्थित रसोखाना राजा साहिब नाभा कलां में जांच की। यह मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 295, 295–ए, 409, 465 और 120–बी के अंतर्गत दर्ज किया गया है।स्ढ्ढञ्ज की टीम ने मौके पर पहुंचकर पावन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के स्वरूपों की धार्मिक मर्यादा के अनुसार जांच की। इस दौरान प्रबंधक कमेटी के सदस्यों और ग्रंथी सिंहों की मौजूदगी में पहले अरदास की गई, इसके बाद मर्यादा अनुसार पावन स्वरूपों की गिनती और पड़ताल की गई।जांच में सामने आया कि रसोखाना परिसर में कुल 169 पावन स्वरूप मौजूद हैं। इनमें से 30 पावन स्वरूप ऐसे पाए गए, जिन्हें पहले एसजीपीसी द्वारा मांग के अनुसार संबंधित गुरुद्वारों को उपलब्ध कराया गया था। इनमें 10 पावन स्वरूप गुरुद्वारा साहिब पातशाही सातवीं, गांव दुसांझ खुर्द (जिला एस.बी.एस. नगर) और 20 पावन स्वरूप गुरुद्वारा साहिब गांव मजारा नौ आबाद के नाम पर जारी किए गए थे।जांच में यह भी सामने आया कि ये पावन स्वरूप संबंधित गुरुद्वारों में स्थापित होने के बजाय रसोखाना राजा साहिब नाभा कलां में रखे हुए थे।वहीं, शेष 139 पावन स्वरूपों के संबंध में रसोखाना राजा साहिब नाभा कलां की प्रबंधक कमेटी के पास कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं पाया गया। इस बाबत प्रबंधक कमेटी के सदस्यों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। स्ढ्ढञ्ज अधिकारियों के अनुसार मामले की गहन जांच जारी है और सभी तथ्यों की विस्तृत पड़ताल के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी के साथ मेरी मुलाकात को ज्यादा गंभीरता से न लें :डी.के. शिवकुमार

शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से हुई मुलाकात के बारे में कहा कि पार्टी की राज्य इकाई का अध्यक्ष होने के नाते राष्ट्रीय अध्यक्ष का राज्य दौरे पर स्वागत करना पार्टी प्रोटोकाल का हिस्सा है।

नई दिल्ली 15जनवरी (एजेंसी)कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ उनकी हालिया मुलाकात नियमित राजनीतिक बातचीत का हिस्सा थी और इसका कोई मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह विभिन्न मुद्दों पर पार्टी नेतृत्व के साथ बातचीत जारी रखेंगे।शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट किया था जिसमें लिखा था, "प्रयास विफल हो सकते हैं, लेकिन प्रार्थनाएं नहीं।" यह पोस्ट कावेरी विवाद में हुए घटनाक्रम से संबंधित था।उन्होंने कहा, "मेरी अर्जी के कारण कावेरी मुद्दे ने अदालत में एक नया रूप ले लिया है। अदालत ने केंद्र सरकार से कहा है कि उसे मेकेदातु बैलेंसिंग जलाशय मुद्दे पर फैसला लेना होगा। इसलिए मैंने यह ट्वीट किया।"शिवकुमार ने पत्रकारों द्वारा की जा रही अलग–अलग व्याख्याओं को खारिज कर दिया। उपमुख्यमंत्री ने तमिलनाडु रवाना होने से पहले मैसूरु के दौरे के दौरान मंगलवार को राहुल गांधी से हुई मुलाकात के बारे में कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेता से बातचीत की।शिवकुमार ने कहा, "मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने उनसे बात नहीं की। मैं यह खुलासा नहीं कर सकता कि हमारी क्या चर्चा हुई। यह मेरे और उनके बीच की बात है।" उन्होंने कहा कि वह शुक्रवार को दिल्ली रवाना होंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, "मैं कल दिल्ली जा रहा हूं, जहां मैं उनसे (राहुल गांधी से) मिलूंगा।

ED Raid में बाधा डालना ममता बनर्जी को पड़ा महँगा,

एससी ने भेजा नोटिस, पक्ष-विपक्ष में बड़े-बड़े वकीलों ने जमकर दी दलीलें

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में उन ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक लगा दी है जिन्होंने आठ जनवरी को 'इंडियन पर्सलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारा था।

नई दिल्ली 15जनवरी (एजेंसी)पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस को आज बड़ा झटका लगा क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इस आरोप को "बेहद गंभीर" बताया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उसकी जांच में "बाधा पैदा की"। साथ ही न्यायालय ने इस बात की समीक्षा करने पर सहमति जताई कि क्या किसी राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियां किसी गंभीर अपराध के मामले में केंद्रीय एजेंसी की जांच में हस्तक्षेप कर सकती हैं।न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में उन ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक लगा दी है जिन्होंने आठ जनवरी को 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई–पैक) कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारा था। अदालत ने राज्य पुलिस को छापेमारी की कार्रवाई की सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। हम आपको बता दें कि न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने मुख्यमंत्री बनर्जी, पश्चिम बंगाल सरकार, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार और शीर्ष पुलिस अधिकारियों को ईडी की उन याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है, जिनमें आई–पैक परिसर में छापेमारी में बाधा डालने के आरोप में उनके खिलाफ सीबीआई की जांच का अनुरोध किया गया है।पीठ ने कहा, "हमें लगता है कि देश में कानून के शासन का पालन सुनिश्चित करने और प्रत्येक अंग को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनुमति देने के लिए इस मुद्दे की समीक्षा करना आवश्यक है ताकि अपराधियों को किसी विशेष राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की छत्रछाया में संरक्षण न मिल सके।" पीठ ने कहा, "इसमें बड़े सवाल शामिल हैं और उठाए गए हैं, जिन्हें अगर अनसुलझा छोड़ दिया जाए तो स्थिति और बिगड़ जाएगी तथा अलग–अलग जगहों पर अलग–अलग संगठनों के शासन को देखते हुए किसी न किसी राज्य में अराजकता की स्थिति बनी रहेगी।"शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी राजनीतिक दल के चुनावी काम में हस्तक्षेप करने की शक्ति किसी केंद्रीय एजेंसी के पास नहीं है लेकिन साथ ही यदि केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए सद्भावना से काम कर रही हैं, तो सवाल उठता है कि क्या दलगत गतिविधि की आड़ में एजेंसियों को अपने कर्तव्य निभाने से रोका जा सकता है।शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि ईडी की छापेमारी संबंधी मामले की सुनवाई के दौरान कलकत्ता उच्च न्यायालय में हुए हंगामे से वह अत्यंत व्यथित है। हम आपको याद दिला दें कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने राजनीतिक परामर्श देने वाली कंपनी आई–पैक से जुड़े स्थानों पर ईडी की छापेमारी और जब्ती कार्रवाई से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई अदालत कक्ष के भीतर "अनियंत्रित अराजकता" का हवाला देते हुए 14 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी थी।ईडी ने सुनवाई शुरू होते ही कहा कि जांच एजेंसी की छापेमारी की कार्रवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की "दखलअंदाजी और बाधा" एक बेहद चौंकाने वाले चलन को दर्शाती हैं। ईडी का आरोप है कि छापे के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया, पुलिस के सहयोग से डिजिटल उपकरण और महत्वपूर्ण दस्तावेज हटवाए और बिना किसी जब्ती के जांच अधिकारियों को कार्रवाई समाप्त करने के लिए मजबूर किया।

असम ने 2030 तक 3,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा:हिमन्ता

परियोजना सालाना 14.1 करोड़ यूनिट बिजली पैदा करेगी और कार्बन उत्सर्जन में लगभग 1.15 लाख टन की कमी लाएगी। शर्मा ने उद्घाटन के बाद संवाददाताओं से कहा कि सरकार अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर ही विकास परियोजनाएं शुरू करेगी।

नई दिल्ली 15जनवरी (एजेंसी)असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य ने वर्ष 2030 तक 3,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने धुबरी जिले के बिलासीपारा क्षेत्र के खुदीगांव में 70 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अतिक्रमण मुक्त कराई गई सरकारी जमीन पर विकास परियोजनाएं शुरू करेगी, जिससे रोजगार पैदा करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।शर्मा ने सौर पार्क का उद्घाटन करने के बाद एक्स पर लिखा, "आज हमारी सौर क्षमता 680 मेगावाट तक पहुंच गई है और अप्रैल तक हम 750 मेगावाट के आंकड़े को छू लेंगे। हम एक टिकाऊ और स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की ओर निरंतर बढ़ रहे हैं।"उन्होंने कहा, असम का सौर ऊर्जा लक्ष्य 2030 तक 3,500 मेगावाट है।" यह नयी परियोजना एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) और असम पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एपीडीसीएल) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है।एसजीईएल, सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी एसजेवीएन लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर बताया कि 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनी यह परियोजना सालाना 14.1 करोड़ यूनिट बिजली पैदा करेगी और कार्बन उत्सर्जन में लगभग 1.15 लाख टन की कमी लाएगी। शर्मा ने उद्घाटन के बाद संवाददाताओं से कहा कि सरकार अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर ही विकास परियोजनाएं शुरू करेगी।उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करना और उन पर परियोजनाएं शुरू करना है। इससे रोजगार सृजन होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

सम्पादकीय

पंचायत उन्नति सूचकांक

भारत के गांवों में एक शांत लेकिन असरदार बदलाव हो रहा है। महाराष्ट्र की एक पंचायत में महिला–अनुकूल पंचायत विषय में कम अंक आने पर सीसीटीवी और स्ट्रीट लाइटें लगाई गईं वहीं गुजरात के एक गांव में स्वच्छ और हरित पंचायत श्रेणी में कमजोर प्रदर्शन के बाद तेजी से स्वच्छता अभियान शुरू किए गए।पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) अब यह तय करने लगा है कि जमीनी स्तर पर विकास की योजना कैसे बने और उसे कैसे लागू किया जाए। कई पंचायतों में पीएआई के जरिए सामने आई कमियां जैसे संस्थागत प्रसव की कम संख्या, खराब कचरा प्रबंधन या पानी की कमी के आधार पर सीधे लक्षित कदम उठाए गए हैं।ये शुरुआती उदाहरण एक सरल लेकिन मजबूत सच्चाई दिखाते हैं–जब पंचायतें अपनी ताकत और कमजोरियों को साफ–साफ देख पाती हैं, तो वे ज़्यादा तेजी से और सही तरीके से काम करती हैं। कई दशकों तक भारत में ग्रामीण विकास ज़्यादातर हाथ से बनी रिपोर्टों, व्यक्तिगत धारणाओं और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर निर्भर रहा। आज पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) ग्रामीण प्रशासन के केंद्र में एक नया मॉडल लेकर आया है, जो पारदर्शी है, आंकड़ों पर आधारित है और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप है।

पंचायती राज मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) भारत का पहला देशव्यापी ढांचा है, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायतों की प्रगति को वस्तुनिष्ठ संकेतकों के आधार पर मापा जाता है। इसमें स्वच्छता, स्वास्थ्य, शासन, महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचा, पर्यावरणीय स्थिरता आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह मूल्यांकन 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से निकले स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों (एलएसडीजी) के नौ विषयों के अंतर्गत किया जाता है।

तर्कसंगत रूप से, राष्ट्रीय स्तर पर एसडीजी की प्राप्ति के लिए स्थानीय स्तर पर कार्यवाही आवश्यक है, जहां पंचायतें अहम भूमिका निभा सकती हैं। इस संदर्भ में, पीएआई ग्रामीण क्षेत्रों में एलएसडीजी और अंततरू एसडीजी की प्रगति को मापने और ट्रैक करने के लिए एक साक्ष्य–आधारित व्यवस्था प्रदान करता है।

पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) की गणना एक मजबूत और बहु–चरणीय प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है, जिसमें नौ विषयों के अंतर्गत 435 अलग–अलग स्थानीय संकेतकों का उपयोग होता है। पंचायती राज मंत्रालय अन्य मंत्रालयों, विभागों और राज्य सरकारों से परामर्श कर संकेतकों का ढांचा तैयार करता है, जबकि वास्तविक आंकड़े ग्राम पंचायतों और संबंधित विभागों द्वारा एक साझा पोर्टल श्च्ड्डद्ब. द्दश1.द्बठ्ठ पर ग्राम पंचायत स्तर पर दर्ज किए जाते हैं।

इन आंकड़ों का सत्यापन कई प्रशासनिक स्तरों पर किया जाता है, जिसमें ग्राम सभा द्वारा जांच भी शामिल है। प्रत्येक विषय का स्कोर इन संकेतकों के आध ाार पर 0 से 100 के पैमाने पर तय होता है और इन्हीं से कुल पीएआई स्कोर (0–100) बनता है। इसी कुल स्कोर के आधार पर पंचायतों को तुलना के लिए पाँच श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है।

वित्त वर्ष 2022–23 के लिए किए गए पहले सर्वेक्षण से कई रोचक तथ्य सामने आए। सत्यापित आंकड़े जमा करने वाली 2.16 लाख पंचायतों में से कोई भी पंचायत अचीवर (90 से अधिक अंक) की श्रेणी में नहीं आई। केवल 0.3 प्रतिशत पंचायतें फ्रंट रनर (75–89.99 अंक) रहीं और 35.8 प्रतिशत पंचायतें परफॉर्मर (60–74.99 अंक) की श्रेणी में थी।

सबसे अधिक, यानी 61.2 प्रतिशत पंचायतें आकांक्षी (40–59.99 अंक) श्रेणी में रहीं, जबकि 2.7 प्रतिशत पंचायतें शुरुआती (40 से कम अंक) श्रेणी में पाई गई। गुजरात और तेलंगाना जैसे राज्य सबसे अधिक उच्च प्रदर्शन करने वाली पंचायतों के साथ शीर्ष पर रहे।

जमीनी स्तर के शासन को मजबूत करने में इसकी बड़ी क्षमता को देखते हुए, राज्य सरकारें पीएआई अंकों को ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित कार्यशालाओं के माध्यम से विभिन्न हितधारकों तक पहुंचा रही हैं। पारदर्शिता और नागरिक सहभागिता बढ़ाने के लिए पंचायतों ने अपने कार्यालयों के बाहर पीएआई स्कोरकार्ड लगाना भी शुरू कर दिया है।

इसके अलावा, ग्राम सभा की बैठकों के एजेंडे में भी पीएआई अंकों पर चर्चा को शामिल किया जा रहा है।

पीएआई की असली ताकत इसके व्यावहारिक उपयोग में है। शुरुआती संकेत बताते हैं कि गुजरात जैसे राज्य पीएआई अंकों का उपयोग कमजोर ग्राम पंचायतों को विशेष अनुदान देने में कर रहे हैं, ताकि महत्वपूर्ण कमियों को पूरा किया जा सके। सिक्किम ने अपने छठे राज्य वित्त आयोग के तहत प्रदर्शन अनुदान देने के लिए पीएआई स्कोर को एक मानदंड के रूप में अपनाने का निर्णय लिया है।

कई राज्यों में पीएआई साक्ष्य–आधारित योजना बनाने का एक अहम साधन बन गया है, जिससे पंचायतों को अपने ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीडीडीपी) में प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करने और उन्हें प्राथमिकता देने में मदद मिल रही है। कर्नाटक, तमिलनाडु, सिक्किम, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में उच्च अंक पाने वाली ग्राम पंचायतों को पंचायत लर्निंग सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि झारखंड, बिहार, केरल, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्य इन पंचायतों के लिए पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के प्रतिनिधियों के लिए विशेष अध्ययन और अनुभव भ्रमण आयोजित कर रहे हैं।

अब कई राज्य पीएआई के प्रदर्शन को सम्मान और पुरस्कारों से भी जोड़ रहे हैं। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री योजना के तहत बड़े पुरस्कार दिए जाते हैंय सिक्किम और मध्य प्रदेश में वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाते हैं, जबकि पंजाब, झारखंड, उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में उच्च अंक प्राप्त पंचायतों को राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाता है। इसके अलावा, पीएआई अंकों को अब संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और क्षेत्रीय कार्यशालाओं में भी तेजी से शामिल किया जा रहा है।

असम में गोगोई और विश्वशर्मा भिड़े

इस साल जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं, वहां पक्ष–विपक्ष में भिड़ंत कुछ अलग तरीके से दिख रही है। सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों से ज्यादा उन मुद्दों को उठा रहा है जिससे वोट की राजनीति मजबूत होती हो और विपक्ष भी तिकड़म वाले मामले उठाने का प्रयास करता है। पश्चिम बंगाल और असम में यह बात साफ तौर पर देखी जा सकती है। कोलकाता में एक फर्म (आई–पैक) के कार्यालय और उसके निदेशक के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा तो सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने इसे राजनीतिक बदले की भावना से मारा गया छापा बताया। इतना ही नहीं ममता बनर्जी ने मुख्य विपक्षी दल भाजपा को सीधे–सीधे चुनौती दी कि वह तृणमूल को लोकतांत्रिक मंच पर पराजित करके दिखाये। इसी प्रकार असम में भी मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को मुख्य विपक्षी कांग्रेस के नेता और राज्य इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सत्ता से हटाने की मुहिम चला रखी है। गोगोई ने विपक्षी दलों को एक साथ जोड़ रखा है। उधर, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गोगोई की पत्नी और बच्ची की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर मुहिम खोल रखी है। विश्व शर्मा कहते हैं कि गोगोई की पत्नी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की एजेंट है।असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की राज्य इकाई के अध यक्ष गौरव गोगोई के पाकिस्तानी संबंधों का विवरण इसी महीने के भीतर सामने आ जाएगा। सीएम हेमंत शर्मा ने विपक्षी नेता की पत्नी और बच्चों की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर भी उनकी कड़ी आलोचना की है। सीएम हेमंत शर्मा ने दावा किया कि असम के लोग ऐसे व्यक्ति को कभी भी अपने बोर घोर (पवित्र स्थान) में प्रवेश नहीं करने देंगे। सीएम शर्मा और भारतीय जनता पार्टी के अन्य नेता कांग्रेस के लोकसभा सदस्य गौरव गोगोई पर यह आरोप लगाते हुए लगातार निशाना साध रहे हैं कि उनकी पत्नी के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ संबंध हैं। बता दें कि गौरव गोगोई असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे हैं। गौरव गोगोई राज्य में कांग्रेस के प्रमुख नेता हैं। वे कांग्रेस के लोकसभा में उपनेता विपक्ष हैं। गोगोई असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी हैं। जनवरी 2026 में वे असम विध ाानसभा चुनाव की तैयारियों में सक्रिय हैं, जहां वे विपक्षी एकता को मजबूत करने और बीजेपी सरकार पर हमला बोल रहे हैं।बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले असम की सियासत से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है। यहां अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी दल गोलबंद हो रहे हैं। सभी दल बीजेपी के खिलाफ एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इसका ऐलान राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने किया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी के कुशासन से मुक्ति दिलाने के लिए विपक्षी दल 2026 असम विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेंगे। गोगोई ने संवाददाताओं से कहा, ''हमने (विपक्षी दलों ने) विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की। असम के लोगों को भाजपा के अत्याचार और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के अन्याय से मुक्त कराने के लिए हम सभी एकजुट हैं। हम 2026 का विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अन्य मुद्दे भी हैं, जिनके बारे में आने वाले दिनों में ध ाीरे–धीरे जनता को जानकारी दी जाएगी। आठ पार्टियों में कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी (माकपा), रायजोर दल, असम जातीय परिषद, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी– लेनिनवादी) लिबरेशन, जातीय दल–असोम (जेडीए) और कार्बी आंगलोंग स्थित ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस (एपीएचएलसी) शामिल है। बैठक को लेकर रायजोर दल के विधायक अखिल गोगोई ने बताया कि आने वाले समय में सभी विपक्षी दल सभी प्रमुख मुद्दों पर समन्वित दृष्टिकोण अपनाएंगे। विपक्षी दलों के साझा घोषणापत्र पर विचार–विमर्श होगा। उन्होंने कहा, ''इस विपक्षी एकता में एआईयूडीएफ बिल्कुल भी शामिल नहीं होगी। यह भाजपा की तरह ही सांप्रदायिक पार्टी है। यह विपक्षी गठबंधन किसी भी प्रकार की सांप्रदायिकता के सख्त खिलाफ है।अगले साल 2026 में असम में विधानसभा के चुनाव होने हैं। राज्य में पिछले 10 वर्षों से बीजेपी की अगुवाई में एनडीए की सरकार है। राज्य में विधानसभा की कुल 126 सीटें है। इससे पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में एनडीए को कुल 74 सीटें मिली थीं। बीजेपी ने 60 सीटों पर जीत हासिल की थी और 33.2 फीसद वोट मिले थे। वहीं असम गण परिषद को 9 सीटें हासिल हुई थीं जबकि यूपीपीएल को 6 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं यूपीए को कुल 50 सीटों मिली जिनमें कांग्रेस ने 29 सीटें हासिल कीं। एआईयूडीएफ को 16 सीटें मिलीं।लोकसभा में मानसून सत्र के छठे दिन ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा हुई थी। चर्चा की शुरुआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। वहीं, विपक्ष की तरफ से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सबसे पहले अपनी बात रखी। गौरव गोगोई ने कहा कि पहलगाम हमले को 100 दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक आतंकी पकड़े नहीं गए हैं। सरकार के पास सभी तरह की सुविधाएं हैं, लेकिन अब तक आतंकियों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।गौरव गोगोई ने कहा, आखिरकार पहलगाम हमले की जिम्मेदारी कौन लेता है? जम्मू–कश्मीर के एलजी। अगर किसी को जिम्मेदारी लेने की जरूरत है, तो वह केंद्रीय गृह मंत्री हैं। गृह मंत्री और केंद्र सरकार एलजी के पीछे नहीं छिप सकते। सरकार इतनी कमजोर और कायर है कि उसने कहा कि टूर ऑपरेटर लोगों को सरकारी अनुमति या लाइसेंस के बिना बैसारन ले गए। वह हादसे के लिए जिम्मेदार हैं। पीएम मोदी सऊदी अरब से वापस आ गए, लेकिन उन्होंने पहलगाम का दौरा नहीं किया। उन्होंने एक सरकारी कार्यक्रम में भाग लिया और बिहार में एक राजनीतिक रैली को संबोधित किया। अगर कोई पहलगाम गया, तो वह हमारे नेता राहुल गांध ाी थे। इस प्रकार गोगोई ने भाजपा सरकार को घेरा था।कांग्रेस सांसद ने कहा बैसरन, जहां हमला हुआ था, वहां एम्बुलेंस को पहुंचने में लगभग 1 घंटा लगा। सेना पैदल आई थी। मैं वो दृश्य नहीं भूल सकता, जब एक मां और उसकी बेटी ने एक भारतीय सैनिक को देखा तो वे रोने लगीं। उन्हें लगा कि बैसरन में लोगों को मारने वाला सैनिक की वर्दी पहने आतंकवादी उनका इंतजार कर रहा है। उस सैनिक को कहना पड़ा कि वह एक भारतीय है, और आप सुरक्षित हैं। वहां के लोगों में इस तरह का आतंक था। इतना ही नहीं असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नीत राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ मोर्चे को केवल सत्ता, ध ान, भूमि और सिंडिकेट की परवाह है, जिसकी वजह से गुवाहाटी में विनाशकारी बाढ़ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई है। गोगोई ने इस स्थिति के लिए मुख्य कारण सत्तारूढ़ पार्टी के करीबी मंत्रियों और लोगों द्वारा आर्द्रभूमि पर किए गए अतिक्रमण को बताया।लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने शिवसागर से नागांव तक 250 किलोमीटर लंबी यात्रा भी की। यात्रा के दौरान हजारों समर्थकों के साथ उनका काफिला शाम को जोरहाट और गोलाघाट से गुजरा। शिवसागर शहर में ऐतिहासिक शिव दौल (मंदिर) के दर्शन करने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए गोगोई ने कहा, यह सरकार सत्ता, धन, भूमि हड़पने और सिंडिकेट में गहराई तक लिप्त है। गौरव गोगोई ने कहा, गुवाहाटी में बीजेपी की नीति धन और जमीन के लालच पर आध ाारित है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के लंबे समय तक गुवाहाटी के विकास मंत्री रहे। अब उनके करीबी सहयोगी मंत्री हैं, लेकिन बीजेपी के मंत्रियों को जल निकायों के संरक्षण और जल निकासी व्यवस्था मजबूत करने से ज्यादा अपने घर तक जाने वाली सड़क की चिंता है। (हिफी)

अपराधियों में पुलिस का खौफ जरूरी

अपराधियों के दिलोदिमाग से पुलिस का खौफ खत्म हो रहा है। आए दिन जिस तरह अपराधी तत्व अब सीधे पुलिस से टकराने से नहीं झिझक रहे हैं, वह चिंताजनक है। कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी अपराधियों में पुलिस का भय बना रहना जरूरी है वर्ना अपराधी निर्भय होकर अपराध करने लग जाएंगे। देश भर में ऐसा वातावरण बन रहा है जिसमें पुलिस के इकबाल पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं लोगों में पुलिस और कानून का भय समाप्त हो रहा है। हाल ही में ऐसे अनेक रील वायरल हो रहे हैं जिनमें लोग पुलिस कर्मियों के साथ सीधे टकराव करते नजर आते हैं। अधिकतर लोग मारपीट और अपशब्दों का प्रयोग करते हैं। वहीं कुछ जानबूझकर रील बनाने के लिए महिला होने का फायदा उठाकर पुलिस वाले को उकसावा और दुर्व्यवहार करने के भी मामले सामने आ रहे हैं। यहां इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि बहुत सारे ऐसे पुलिस वाले भी है जो कानून के दायरे से बाहर जाकर आम आदमी के साथ दुर्व्यवहार गाली–गलौज और मारपीट करते हैं। उनकी हजारों रील सोशल मीडिया पर वायरल है लेकिन क्या इस तरहकी अराजकता को बढ़ावा देने की सोच को प्रश्रय दिया जाना चाहिए? वहीं दूसरी ओर अपराधी तत्वों द्वारा भी पुलिस के इकबाल को चुनौती देने का सिलसिला जारी है।

आपको बता दें कि जहां एक ओर देश में हत्या, लूटपाट, बलात्कार जैसे अपराध जोरों पर हैं तो दूसरी ओर कानून की रखवाली पुलिस भी अपराधी तत्वों के हाथों सुरक्षित नहीं है और अपराधी तत्वों द्वारा छापेमारी करने के लिए जाने वाली पुलिस पर भी हमले किए जा रहे हैं।

आपको कुछ वारदातों से रूबरू करा स्थिति की गंभीरता से अवगत कराने की कोशिश करते हैं। एक रिपोर्ट में ऐसी वारदातों का हवाला दिया गया है।

11 जनवरी 2026 को बगहा पुलिस जिले के लौकरिया थाना के नवकाटोला गोबरहिया गांव में आपसी विवाद की सूचना पर पहुंची। डायल 112 टीम और गश्ती दल पर उग्र ग्रामीणों ने लाठी–डंडा से हमला कर दिया। महिला सिपाही की वर्दी फाड़ दी और वाहन क्षतिग्रस्त कर दिया। जिसमें डायल 112 के चालक समेत नौ पुलिसकर्मी घायल हो गए।

हिमाचल प्रदेश में माफिया के दुस्साहस देखिए। चंबा जिला में 10 जनवरी 2026 शनिवार देर शाम 1.42 किलोग्राम चरस के साथ पकड़े युवक को पंचायत प्रधान समेत करीब 30 लोगों ने पुलिस की विशेष जांच इकाई (एसआइयू) पर हमला कर छुड़वा लिया। 18 जनवरी, 2025 को लुधियाना (पंजाब) के गांव कमालपुर में एक आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर आरोपी के 12 साथियों ने तेज धार हथियारों से हमला करके एस.एच.ओ. समेत 4 पुलिस कर्मी घायल कर दिए।

2 अप्रैल, 2025 को सीकर (राजस्थान) के अजीतगढ़ में एक बदमाश को पकड़ने गई पुलिस पर बदमाश के साथियों ने हमला करके पुलिस की 3 गाड़ियां तोड़ दीं व अनेक पुलिस जवानों को घायल कर दिया।22 मई, 2025 को बेगूसराय (बिहार) में मल्हीपुर बिन टोली गांव में अवैध शराब के धंधेबाजों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर शराबियों ने हमला करके अनेक पुलिस कर्मियों को घायल कर दिया।

27 मई, 2025 को गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के नाहल गांव में वाहन चोरी के 2 दर्जन से अधिक मामलों में वांछित गैंगस्टर को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची पुलिस टीम पर गैंगस्टर के साथियों ने हमला कर दिया और एक कांस्टेबल सौरभ कुमार की गोली मार कर हत्या कर दी। 20 दिसम्बर, 2025 को सुपौल (बिहार) में त्रिवेणीगंज के नरहाटोला में शराब के धंधेबाजों ने अवैध ा देसी शराब को नष्ट कर रहे पुलिस कर्मचारियों पर हमला करके 1 सब इंस्पैक्टर सहित 4 पुलिस कर्मचारियों को घायल कर दिया व पुलिस की गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।23 दिसम्बर, 2025 को मऊ (उत्तर प्रदेश) में रानीपुर थाना क्षेत्र के गांव पिरुआ में धोखाधड़ी के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर आरोपी के साथियों ने हमला करके कई पुलिस कर्मियों को घायल कर दिया।25 दिसम्बर, 2025 को मेरठ (उत्तर प्रदेश) में विभिन्न मामलों में वांछित 3 आरोपियों को पकड़ने गई पुलिस टीम के सदस्यों को घेर कर दबंगों ने न केवल उनसे मारपीट की और उनकी गाड़ी तोड़ दी बल्कि एक सिपाही की वर्दी भी फाड़ डाली।31 दिसम्बर, 2025 को समस्तीपुर (बिहार) में एक शराब तस्कर के ठिकाने पर छापेमारी करने गई पुलिस की टीम पर शराब के धंधेबाज और उसके साथियों ने पथराव करके एक दारोगा और पुलिस वाहन के ड्राइवर सहित 5 पुलिस कर्मचारियों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। 9 जनवरी, 2026 को पलवल (हरियाणा) के मुंडकटी थाना क्षेत्र में अवैध ा शराब पकड़ने गई पुलिस टीम को तस्कर और उसके परिजनों ने गालियां निकालने के अलावा उन पर चाकुओं और लाठी–डंडों से हमला कर दिया और एक सिपाही की वर्दी भी फाड़ दी। 11 जनवरी, 2026 को औरंगाबाद (बिहार) के नथुनी बीघा गांव में शराब की गैर कानूनी बिक्री की सूचना मिलने पर छापा मारने पहुंची पुलिस की टीम पर शराब तस्कर के आदमियों ने चोर–चोर चिल्लाते हुए उन पर लाठी–ईंट और पत्थरों की बौछार कर दी जिससे 2 पुलिस जवान गंभीर रूप से घायल हो गए तथा पुलिस की गाड़ी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मध्य प्रदेश में अपराधी बेखौफ होते जा रहे हैं। अब वे अपराध रोकने पहुंची पुलिस टीम पर भी हमला करने से नहीं हिचकते। 8 जनवरी को सतना में कुछ उत्पाती बदमाशों ने 5 पुलिसकर्मियों को घेर लिया था। पुलिसकर्मियों को भागकर अपनी जान बचानी पड़ी। दूसरी घटना मंडला में सामने आई, जहां बदमाशों ने पुलिस की जमकर धुनाई कर वर्दी फाड़ दी और बैच नोच लिए। 11 जनवरी को रतलाम (मध्य प्रदेश) में नशीले पदार्थों की चेकिंग के लिए एक कार को रोकने पर बदमाशों ने पुलिस पर पथराव करके एक पुलिस कर्मचारी को गंभीर रूप से घायल कर दिया।ये सभी वारदातें गैर आतंकवाद प्रभावित इलाकों की हैं जबकि आतंकवाद नक्सलवाद प्रभावित इलाकों में स्थिति और अधिक चिंताजनक है। समाज में कानून–व्यवस्था कायम करने व देश की रक्षा करने वाले पुलिस कर्मियों पर हमले निश्चय ही अपराधी तत्वों के बढ़ रहे दुःसाहस और कानून का डर समाप्त हो जाने का ही परिणाम हैं। अतः ऐसे अपराधियों से निपटने के लिए कड़े प्रावधानों वाला कानून बनाने की आवश्यकता है ताकि ऐसा करने वालों को कठोरतम दंड मिले।

समावेशन और भारत की प्रगति को गति देते हैं स्टार्टअप'

नवाचार, समावेशन और भारत की प्रगति को गति देते हैं स्टार्टअप

श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री

स्टार्टअप इंडिया पहल पूरे देश में एक समग्र और नई सोच वाले इकोसिस्टम के रूप में विकसित हुई है। यह युवाओं की उद्यमशील ऊर्जा को रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को तेज करने की दिशा में लगाकर, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के मिशन को साकार करने का मार्ग तैयार कर रही है।भारत में आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक मौजूद है। आज उद्यमिता एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन चुकी है, जो भारत के आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दे रही है और विकास व रोजगार सृजन का नया इंजन बन रही है।यह परिवर्तन रातोंरात नहीं हुआ। जब प्रधानमंत्री ने 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से स्टार्टअप इंडिया की घोषणा की, तब उन्होंने एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी दृष्टि रखी कि उद्यमिता देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचे।16 जनवरी 2016 को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से शुरू किए जाने के बाद से स्टार्टअप इंडिया ने लंबा सफर तय किया है। स्टार्टअप देश की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई ऊर्जा भर रहे हैं। आईटी सेवाएं, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान, शिक्षा, कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इसके अलावा, जलवायु तकनीक और अवसंरचना सहित 50 से अधिक अन्य उद्योगों में भी नए उद्यम सामने आए हैं। यह व्यापकता विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और मजबूती को दर्शाती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।नवाचार और एआईरू पिछले एक दशक में एक बड़ा बदलाव नवाचार और गहन तकनीक पर बढ़ते ध्यान के रूप में देखा गया है। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर पिछले वर्ष 38वें स्थान पर पहुँच गई है, और गहन तकनीक से जुड़े स्टार्टअप्स को सरकार का समर्थन इसे आगे और बेहतर करेगा। प्रधानमंत्री की डिजिटल इंडिया पहल के आधार पर एआई स्टार्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है।गहन तकनीक वाला राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत अनुसंध ाान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की गई है, तथा इंडिया एआई मिशन और रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन योजना की शुरुआत की गई है। भारत के स्टार्टअप एयरोनॉटिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, रोबोटिक्स, हरित तकनीक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार कर रहे हैं। बौद्धिक संपदा के निर्माण में तेज वृद्धि इस प्रवृत्ति को और मजबूत करती है। भारतीय स्टार्टअप्स ने 16,400 से अधिक नए पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं, जो मौलिक नवाचार, दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है।अखिल भारतीय विकासरू उद्यमिता को देशभर में मिल रहा समर्थन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्ष 2016 में केवल चार राज्यों में स्टार्टअप नीतियां थीं, जबकि आज भारत के 30 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष स्टार्टअप ढांचे मौजूद हैं। अब हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जो संस्थागत समर्थन की मजबूती और जमीनी स्तर की भागीदारी को दर्शाता है।अब तक 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है, जो नीति–आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के एक दशक के सतत विकास को दर्शाता है। केवल 2025 में ही 49,400 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिली, जो स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के बाद सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है।समावेशन इस पूरी यात्रा की एक मजबूत आधारशिला रहा है। महिला नेतृत्व वाले उद्यम एक बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं, जहां 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक है। इसके अलावा, लगभग आधे स्टार्टअप गैर–मेट्रो शहरों में स्थित हैं, जो नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में टियर–2 और टियर–3 शहरों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।लोकल से ग्लोबलरू जैसे–जैसे भारतीय स्टार्टअप्स का विस्तार हो रहा है, पूरी दुनिया उनके लिए बाजार बनती जा रही है। वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए स्टार्टअप इंडिया ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां बनाई हैं। अब 21 अंतरराष्ट्रीय ब्रिज और 2 रणनीतिक गठबंधन मौजूद हैं, जो यूके, जापान, दक्षिण कोरिया, स्वीडन और इजराइल सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बाजार तक पहुंच, सहयोग और विस्तार को आसान बनाते हैं। इन पहलों से अब तक 850 से अधिक स्टार्टअप्स लाभान्वित हो चुके हैं।स्वीडन, स्विट्जरलैंड, न्यूजीलैंड और इजराइल की मेरी हालिया यात्राओं में स्टार्टअप्स भारत के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों का अहम हिस्सा रहे। इन प्रयासों ने वैश्विक मंच पर भारतीय नवाचार को प्रदर्शित करने का अवसर दिया, साथ ही हमारे उद्यमियों को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की नवाचार और व्यापारिक कार्यप्रणालियों से परिचित कराया।सुधार और बाजार तक पहुंचरू इस विकास को संभव बनाने में कारोबार करने में आसानी सुध ाारना एक मुख्य आधार रहा है। पात्र स्टार्टअप अपने पहले दस वर्षों में से किसी भी तीन लगातार वर्षों के लिए कर अवकाश का लाभ ले सकते हैं। अब तक 4,100 से अधिक स्टार्टअप्स को इसके लिए पात्रता प्रमाणपत्र मिल चुके हैं।60 से अधिक नियामकीय सुध ाारों के माध्यम से अनुपालन का बोझ कम किया गया है, पूंजी जुटाने को आसान बनाया गया है और घरेलू संस्थागत निवेश को मजबूत किया गया है। एंजेल टैक्स को समाप्त करने और वैकल्पिक निवेश कोषों (एटीएफ) के लिए दीर्घकालिक पूंजी के रास्ते खोलने से स्टार्टअप फंडिंग का पारिस्थितिकी तंत्र और सशक्त हुआ है। बाजार तक पहुंच को प्राथमिकता दी गई है। सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जैम) के माध्यम से 35,700 से अधिक स्टार्टअप्स को जोड़ा गया है, जिन्हें 51,200 करोड़ से अधिक मूल्य के पांच लाख से ज्यादा ऑर्डर मिले हैं। इन प्रयासों के साथ मजबूत वित्तीय सहयोग भी दिया गया है। स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स योजना के तहत वैकल्पिक निवेश कोषों के जरिए 25,500 करोड़ से अधिक का निवेश किया गया है, जिससे 1,300 से अधिक उद्यमों को लाभ मिला है। इसके अलावा, स्टार्टअप्स के लिए क्रेडिट गारंटी योजना के अंतर्गत 800 करोड़ से अध ाक के बिना जमानत ऋण की गारंटी दी गई है।945 करोड़ के परिव्यय वाली स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना के तहत स्टार्टअप्स को कॉन्सेप्ट की जाँच, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाजार में प्रवेश और व्यवसायीकरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।सांस्कृतिक बदलावरू भारतीय स्टार्टअप्स ने देश में एक बड़ा सांस्कृतिक परिवर्तन लाया है। पहले बच्चों को मुख्य रूप से सरकारी नौकरी, इंजीनियरिंग या चिकित्सा जैसे कुछ ही क्षेत्रों में जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था। आज कई युवा नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनने का सपना देख रहे हैं, और उनके परिवार भी उद्यमशील आकांक्षाओं का सम्मान करते हैं और उन्हें बढ़ावा देते हैं।अंततः भारत की स्टार्टअप यात्रारू हमारे युवा उद्यमियों पर विश्वास, नीति–आधारित विकास और दुनिया के लिए नवाचार करने की भारत की क्षमता की कहानी है। 2047 तक एक विकसित देश बनने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए, स्टार्टअप्स समृद्ध, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारत के निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाते रहेंगे।

भजन-राज' यानी 'भरोसे के शासन' में राजस्थान के नये आयाम

ललित गर्ग

राजस्थान के अब तक के मुख्यमंत्रियों का शासन बहुआयामी अनुभवों से भरा रहा है, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय, विकासात्मक प्राथमिकताओं और राजनीतिक स्थिरता–इन सभी के विविध रूप देखने को मिलते हैं। हीरालाल शास्त्री और जय नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी।

राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हालिया दौरा किसी औपचारिक कार्यक्रम या शिष्टाचार भर तक सीमित नहीं था, वह एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत, एक भरोसे की सार्वजनिक मुहर और एक स्थायित्व का उद्घोष था। जाते–जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में 'सरप्राइज पैकेज' कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा लिखने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक विशिष्ट और लगातार सफल रहा प्रयोग यह रहा है कि वे सत्ता और संगठन में नए चेहरों को निर्णायक जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते। पर्दे के पीछे वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अचानक मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल जैसे पदों पर आसीन करना मोदी की राजनीतिक शैली का साहसिक पक्ष रहा है। इन निर्णयों ने बार–बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति में अनुभव के साथ–साथ चरित्र, प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला।

इतिहासकार हेमन्त के लेखन से फीना को मिले 37 लाख

लखनऊ,)। सिंचाई विभाग लखनऊ में सहायक अभियंता एवं इतिहासकार जिला बिजनौर के ग्राम फीना निवासी हेमन्त कुमार सिंचाई विभाग राजकीय सेवा के साथ साथ स्थानीय इतिहास खोजकर्ता और साहित्यकार भी हैं। हेमन्त कुमार बिजनौर की पृष्ठभूमि पर सैकड़ों खोज करते हुए पांच पुस्तक लिख चुके हैं। इनके इतिहास खोज और लेखन कार्य से समाज को व्यापक लाभ हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग ने बरेली पर्यटन मण्डल में नाथ सर्किट के विकास के लिए मात्र दो स्थलों का चयन कर धनराशि जारी की है इन दो स्थानों में एक बरेली और दूसरा ग्राम फीना का जाहरवीर गोगा जी मेला स्थल खेड़ा है। सार्वजनिक आर्य इंटर कॉलेज के प्रबंधक मनोज कुमार राजपूत के अनुसार इस योजना के अंतर्गत ग्राम फीना को लगभग 37 लाख रूपये आवंटित हुए हैं और यह बड़ी धनराशि मिलने में इंजीनियर हेमन्त कुमार के इतिहास खोज और लेखन का महत्वपूर्ण योगदान है। दरअसल दिसम्बर 2024 में पर्यटन विभाग ने प्रत्येक जिले से कुछ चुनिंदा स्थानों पर पर्यटन विकास कराने के लिए उनकी विस्तृत ऐतिहासिकता सम्बन्धी जानकारी के साथ प्रस्ताव मांगे थे जिसकी जानकारी मनोज कुमार राजपूत को हुई। इस क्रम में इन्होंने आपने ग्राम फीना में गोगा जी मेला परिसर खेड़े के संबंध में हेमन्त कुमार से मूलभूत परिचय लिखवाकर इस स्थान के प्रस्ताव को आगे बढ़ाया। जानकारी में बताया गया कि फरवरी 2025 में फीना मेला के संबंध में सरकार की ओर से कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न करते हुए विभिन्न साक्ष्य और सन्दर्भ मांगे गए। मनोज कुमार राजपूत ने इंजीनियर हेमन्त कुमार के मेले पर तैयार किये गए लेख और इनकी पुस्तकों में किये गए जिक्र के आधार पर उत्तर तैयार कर पर्यटन विभाग को भेजा। इन उत्तरों से संतुष्ट होकर फीना में पर्यटन विकास की योजना को चुन लिया गया और मई 2025 में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने इसकी घोषणा की। पर्यटन कार्यालय में मेरा गाँव मेरा अभियान के संयोजक नरेश वत्स ने भी अपना पक्ष रखने में बड़ा सहयोग किया । अब अक्टूबर में इस कार्य हेतु धन आवंटन कर दिया गया है

लखनऊ व्यापार मंडल का स्नेह मिलन एवं वार्षिक महोत्सव ऐशबाग में भव्य रूप से संपन्न, व्यापारियों की एकता और अधिकारों का संकल्प दोहराया गया

लखनऊ, (आरएनएस)। लखनऊ व्यापार मंडल द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं वार्षिक महोत्सव का भव्य आयोजन गुरुवार को रामलीला ग्राउंड, ऐशबाग में अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में व्यापारियों की सहभागिता ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की, जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कुशलतापूर्वक निभाई।कार्यक्रम में युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता, वरिष्ठ महामंत्री प्रियंक गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा उपस्थित सभी व्यापारियों का गुलाब पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया और नववर्ष की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर आगंतुक व्यापारियों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे पूरे आयोजन में आत्मीयता और सौहार्द का वातावरण बना रहा।इस दौरान चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा, कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, महामंत्री अभिषेक खरे, अनुराग मिश्र और उमेश शर्मा द्वारा लखनऊ व्यापार मंडल के मुख्य संरक्षक बनवारी लाल कंछल सहित संरक्षकगण हरिश्चंद्र अग्रवाल, सुधीर शंकर हलवाशिया, वासुदेव चावला, डॉ. जगदीश अग्रवाल, राजेश बत्रा, गणेश बंसल, विजय छाबड़ा, मदन गोपाल गुप्ता, सुरेश कंछल, गोपाल अग्रवाल, विजय अग्रवाल एवं अन्य संरक्षक सदस्यों को अंगवस्त्र और भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र और वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा द्वारा चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल को भी अंगवस्त्र एवं भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया।अपने संबोधन में अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने सदन को अवगत कराया कि लखनऊ व्यापार मंडल के चुनाव आगामी माह में प्रस्तावित हैं और उनकी तिथियों की घोषणा शीघ्र की जाएगी। उन्होंने कहा कि लखनऊ व्यापार मंडल व्यापारियों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहा है। संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी एकता में निहित है और आने वाले समय में मंडल व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए और अधिक प्रभावी भूमिका निभाएगा।चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि लखनऊ व्यापार मंडल केवल एक संगठन नहीं, बल्कि व्यापारियों का एक सशक्त परिवार है, जो हर संघर्ष और हर परिस्थिति में अपने सदस्यों के साथ मजबूती से खड़ा रहता है। वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक व्यापारी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है और आगामी चुनाव संगठन को और अधिक लोकतांत्रिक एवं सशक्त स्वरूप प्रदान करेंगे।कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, महामंत्री अभिषेक खरे, उमेश शर्मा और अनुराग मिश्र ने संयुक्त रूप से कहा कि लखनऊ व्यापार मंडल व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रशासन के साथ निरंतर संवाद बनाए रखेगा और किसी भी प्रकार के अन्याय के विरुद्ध एकजुट होकर संघर्ष करेगा।कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संगठन की एकता को और अधिक मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ। आयोजन में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अमरनाथ मिश्र, पवन मनोचा, देवेंद्र गुप्ता, अनुराग मिश्र, उमेश शर्मा, अभिषेक खरे, सतीश अग्रवाल, अनिल बजाज, अशोक मोतियानी, भारत भूषण गुप्ता, राजेंद्र सिंह दुआ, रामकुमार वर्मा, उत्तम कपूर, देव कुमार शुक्ला, अरुण अवस्थी, नीरज जौहर, अजय कुमार पिपलानी, सुरेश कुमार, केदार बाजपेई, रविंद्र गुप्ता, श्याम कृष्णानी, विनोद माहेश्वरी, आरिफ खान, इरफान अंसारी, परवेज, नितिन जैन, अभिषेक कुमार, लोकराम अग्रवाल, मनोज हवेलिया, संजय अग्रवाल, सुरेंद्र नाथ अग्रवाल, सौरभ शर्मा, दीपक सहगल, गौतम आहूजा, सचिन रस्तोगी, विनय शुक्ला, अजय गुप्ता, सुमेश मिश्र, साकेत शर्मा, तौहीद सिद्दीकी, नजमी, अचल मल्होत्रा, नीरज गुप्ता, कुश मिश्र, लल्लन यादव, सुधीर कुमार, अभिषेक यादव, सचिन कंछल, सुशील तिवारी, धीरेंद्र सोनी, सतीश चंद्र मिश्र, निलेश अग्रवाल, विनय गुप्ता, विजय निवार्ण, जे. एस. सेठी, जितेंद्र प्रसाद कनोजिया, सुरेश कुमारी, प्रमोद अवस्थी, एम.के. शुक्ला, संजीव झींगारन, राजदीप छाबड़ा, रंजीत गुप्ता, दीपक बाजपेई, राजकुमार अग्रवाल, कौशल मिश्र, ऋतुराज रस्तोगी, अमित अग्रवाल, राजकुमार विश्वकर्मा, अखिलेश अवस्थी, अमित मिश्रा, मिन्हाज, सुरेंद्र शुक्ला, आयुष अरोड़ा, अजय तिक्खा, प्रहलाद राजपूत, अनुराग साहू सहित सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

बीबीएयू में राष्ट्रीय कर्मयोगी लार्ज स्केल जन सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ

लखनऊ(संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 15 जनवरी से शिक्षण एवं गैर–शिक्षण स्थायी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगीदृ लार्ज स्केल जन सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम 15 जनवरी से 29 जनवरी तक विभिन्न चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लगभग 30 प्रतिभागियों के बैच में एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र संपन्न कराए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यवाहक कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा द्वारा किया गया।उद्घाटन अवसर पर कार्यवाहक कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के माध्यम से कर्मचारियों में सेवा भाव, जवाबदेही और कार्यकुशलता को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जो विश्वविद्यालय की प्रशासनिक और शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि कर्मयोगी बनने का अर्थ है अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ करना।प्रशिक्षण सत्र का संचालन बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डी. आर. मोदी, विधि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुदर्शन वर्मा तथा कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समन्वयक के रूप में डॉ. आर. के. साहू एवं डॉ. बालन जी. की भी सक्रिय भूमिका रही।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के अंतर्गत भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग द्वारा प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के शिक्षण एवं गैर–शिक्षण कर्मचारियों में सेवा भावना, उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और कार्य दक्षता का विकास करना है। कार्यक्रम के माध्यम से कर्मचारियों को जनसेवा के आधुनिक दृष्टिकोण और प्रशासनिक दक्षताओं से अवगत कराया जा रहा है।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार 30 जनवरी 2026 से पूर्व इस प्रकार के कुल 10 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी नियमित शिक्षण एवं गैर–शिक्षण कर्मचारियों को राष्ट्रीय कर्मयोगी प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा। पहले बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर सहित गैर–शिक्षण वर्ग के ग्रुप ए, बी एवं सी के कुल 30 कर्मचारी प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित रहे।कार्यक्रम के समापन पर यह विश्वास व्यक्त किया गया कि राष्ट्रीय कर्मयोगी प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कार्यसंस्कृति को और अधिक सेवा–केंद्रित, उत्तरदायी और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भाजपा मोर्चा, प्रकोष्ठ व विभागों की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न, 2027 के लक्ष्य के साथ अभी से जुटने का आह्वान

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय पर गुरुवार को पार्टी के मोर्चों, प्रकोष्ठों और विभागों के अध्यक्ष, महामंत्री, संयोजक एवं सहसंयोजकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष एवं केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने मार्गदर्शन दिया। बैठक का संचालन विभाग एवं प्रकोष्ठ प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने किया।प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि विभागों और प्रकोष्ठों में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका संगठन में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। संगठन में कोई भी दायित्व छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि प्रत्येक दायित्व समान रूप से अहम होता है। कार्यकर्ता अपने परिश्रम, समर्पण और संगठनात्मक कौशल के माध्यम से पार्टी और समाज में विशिष्ट पहचान बनाता है। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने में विभागों और प्रकोष्ठों की निर्णायक भूमिका है। इनके माध्यम से विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को पार्टी से जोड़ा जाता है, जिससे संगठन और अधिक मजबूत होता है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण, गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिएऐतिहासिक और अभूतपूर्व कार्य किए हैं। आज देश आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी तरह उत्तर प्रदेश मेंमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने कानून–व्यवस्था, सुशासन, बुनियादी ढांचे के विकास और गरीब कल्याण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। उत्तर प्रदेश आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है और यह परिवर्तन भाजपा सरकार की नीतियों तथा दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है।पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संपर्क, संवाद और सेवा के भाव के साथ जनता के बीच जाकर कार्य करें। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पार्टी को 2017 से भी बड़ी और ऐतिहासिक विजय के लक्ष्य के साथ अभी से जुट जाना होगा। संगठन द्वारा सौंपे गए प्रत्येक दायित्व को पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ निभाना हर कार्यकर्ता का कर्तव्य है।उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष के पास कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं है। मुद्दाविहीन विपक्ष झूठ, भ्रम और दुष्प्रचार के सहारे जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन भाजपा का जागरूक और प्रतिबद्ध कार्यकर्ता विपक्ष के हर झूठ को तथ्यों और सच्चाई के साथ बेनकाब करेगा।प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता–आधारित और विचारधारा–प्रधान संगठन है। पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसका अनुशासित, समर्पित और प्रशिक्षित कार्यकर्ता है, जो हर परिस्थिति में संगठन के साथ मजबूती से खड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि मोर्चा, विभाग और प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता पार्टी और समाज के बीच सेतु का कार्य करते हैं। इन्हीं के माध्यम से पार्टी की नीतियां, सरकार की योजनाएं और संगठन का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचता है।धर्मपाल सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती का आधार यही इकाइयां हैं जो निरंतर संपर्क, संवाद और सेवा के माध्यम से जनविश्वास को सुदृढ़ करती हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह संगठन की योजनानुसार जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाए और सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाए। इससे संगठन और समाज के बीच विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

भाजपा अन्याय और अधर्म के रास्ते पर, 2027 में यूपी की जनता देगी करारा जवाबः अखिलेश यादव

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा अन्याय और अधर्म के रास्ते पर चल रही है और उसकी सरकार पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनहित में कोई ठोस काम नहीं किया, बल्कि प्रदेश की पूरी व्यवस्था को बिगाड़ दिया है। स्वास्थ्य सेवाएं बर्बाद हो चुकी हैं, भ्रष्टाचार चरम पर है और किसान, नौजवान, महिलाएं सभी संकट में हैं। महंगाई और बेरोजगारी ने हर वर्ग की कमर तोड़ दी है।समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर गुरुवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नफरत की राजनीति करती है। जब भाजपा कमजोर होती है तो और अधिक साम्प्रदायिक हो जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता 'आरोपजीवी' हैं, जिनका काम सिर्फ समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाना है। भाजपा एक पूंजीवादी पार्टी है, जो केवल पूंजीपतियों के मुनाफे के लिए काम करती है और उन्हें बैंकों से कर्ज दिलाने में लगी रहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने वाली पार्टी है, जो झूठे वादे कर जनता को गुमराह करती है।अखिलेश यादव ने कहा कि सत्य का रास्ता ही धर्म का रास्ता होता है और न्याय के मार्ग पर चलकर ही सभी को सम्मान दिया जा सकता है। भाजपा सरकार अन्याय और अत्याचार कर रही है तथा आम लोगों को अपमानित कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जैसे ही विधानसभा चुनाव की घोषणा होगी, वैसे ही बुलडोजर का पता नहीं चलेगा। यूपी की जनता 2027 में भाजपा को डिटेंशन सेंटर में भेजने का काम करेगी।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी सकारात्मक राजनीति करती है। पार्टी विकास, नौकरी और रोजगार की बात करती है और नकारात्मक राजनीति में विश्वास नहीं रखती। सपा सरकार के दौरान प्रदेश में बड़े पैमाने पर विकास के कार्य हुए। उन्होंने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर किसानों, नौजवानों, गरीबों और महिलाओं के हित में काम किया जाएगा। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार होगा, गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाएगी और महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिए जाएंगे।अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी जो वादा करती है, उसे पूरा करती है। सपा सरकार के समय महिलाओं को पेंशन दी गई, छात्राओं को कन्या विद्या धन योजना का लाभ मिला, बहन–बेटियों की सुरक्षा के लिए 1090 वूमेन पावर लाइन शुरू की गई, 102 और 108 एम्बुलेंस सेवाएं शुरू की गईं। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने में महिलाओं की निर्णायक भूमिका होगी।कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि वे मतदाता सूची पर विशेष ध्यान दें और हर पात्र मतदाता का नाम जुड़वाने का काम करें। उन्होंने अपील की कि फार्म–6 भरकर 6 फरवरी से पहले हर नए और छूटे हुए मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़वाया जाए। साथ ही उन्होंने भाजपा की कथित हेरा–फेरी से सावधान रहने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बेईमान पार्टी है और बेईमानी करने के लिए किसी भी स्तर तक जा सकती है, इसलिए कार्यकर्ताओं को पूरी सतर्कता के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा करनी होगी।

मायावती ने 70वें जन्मदिन पर किया बड़ा राजनीतिक एलान, कहा,बसपा अब सभी चुनाव अकेले लड़ेगी, 2027 में यूपी की सत्ता में वापसी तय

लखनऊ,(संवाददाता) । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व सांसद मायावती ने अपने 70वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में देश और प्रदेश की राजनीति को लेकर कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब बसपा उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में होने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव अकेले ही लड़ेगी और किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। मायावती ने कहा कि गठबंधन का अनुभव पार्टी के लिए लाभकारी नहीं रहा, बल्कि इससे बसपा का जनाधार और वोट प्रतिशत प्रभावित हुआ है।मायावती ने कहा कि उनका जन्मदिन बसपा कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे देश में "जनकल्याणकारी दिवस" के रूप में सादगी के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर पार्टी के लोग बहुजन समाज के हित में शुरू की गई योजनाओं और आंदोलनों की जानकारी जनता तक पहुंचाते हैं। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समर्थकों और देशवासियों को नए वर्ष 2026 की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह वर्ष सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और तरक्की लेकर आए।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बसपा सरकार के चार कार्यकालों के दौरान गरीबों, मजदूरों, किसानों, कर्मचारियों, युवाओं, महिलाओं, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों के लिए ऐतिहासिक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गईं। ये योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू की गईं, जिससे समाज के कमजोर वर्गों की स्थिति में वास्तविक सुधार हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद की सरकारों ने बसपा की योजनाओं की नकल तो की, लेकिन नीयत और सोच सही न होने के कारण जनता को उनका वास्तविक लाभ नहीं मिल पाया।मायावती ने कहा कि बसपा सरकारों के दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले, नारायण गुरु, छत्रपति शाहूजी महाराज, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर और कांशीराम जैसे महापुरुषों को पूरा सम्मान दिया गया। उनके नाम पर स्मारक, पार्क और ऐतिहासिक स्थल बनाए गए, जिससे बहुजन समाज में आत्मसम्मान और स्वाभिमान की भावना मजबूत हुई। उन्होंने कहा कि बसपा की सरकार ने सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की नीति पर चलते हुए सभी वर्गों के हितों का समान रूप से ध्यान रखा।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में कानून–व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और आम जनता, विशेषकर दलितों और अन्य वंचित वर्गों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। मायावती ने कहा कि भाजपा, कांग्रेस और सपा की सरकारों में बहुजन समाज को अपेक्षित सम्मान और सुरक्षा नहीं मिली। उन्होंने सपा शासनकाल की आलोचना करते हुए कहा कि उस दौर में अपराधियों, माफियाओं और अराजक तत्वों का बोलबाला रहा और दलितों पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुए।मायावती ने यह भी कहा कि बसपा सरकारों के दौरान किसी भी धर्म, वर्ग या समाज के साथ भेदभाव नहीं किया गया। मंदिर, मस्जिद, चर्च सभी सुरक्षित रहे और प्रदेश में कभी भी दंगा–फसाद जैसी स्थिति नहीं बनने दी गई। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य दिया गया, गन्ना किसानों की आय बढ़ाई गई और युवाओं को बिना रिश्वत सरकारी नौकरियां दी गईं।राजनीतिक रणनीति पर बोलते हुए मायावती ने साफ किया कि गठबंधन में बसपा का दलित वोट तो पूरी तरह ट्रांसफर हो जाता है, लेकिन सहयोगी दलों का वोट बसपा को नहीं मिलता, जिससे पार्टी को नुकसान होता है। इसी अनुभव के आधार पर पार्टी ने निर्णय लिया है कि अब किसी भी चुनाव में किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब कोई पार्टी अपनी जातिवादी मानसिकता छोड़कर वास्तव में बसपा के पक्ष में वोट ट्रांसफर करने की स्थिति में होगी, तभी भविष्य में इस पर विचार किया जा सकता है।उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और सर्वसमाज के लोग बसपा को पहले से कहीं अधिक समर्थन देंगे और उत्तर प्रदेश में एक बार फिर बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। मायावती ने कहा कि 2007 की तरह ही अगली बसपा सरकार भी सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर काम करेगी।प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें, जनता के बीच जाकर बसपा सरकारों के कार्यों को पहुंचाएं और किसी भी भ्रम या दुष्प्रचार से सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि यही उनके जन्मदिन पर पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से सबसे बड़ा उपहार होगा।

कानपुर की छतें बनीं पावर हाउस, सोलर रूफटाप में प्रदेश में तीसरे स्थान पर पहुंचा नगर, 64 मेगावाट हरित ऊर्जा का उत्पादन

कानपुर,लखनऊ(संवाददाता) । नगर विकास एवं ऊर्जा के क्षेत्र में ए.के. शर्मा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लगातार नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। ग्रीन एनर्जी की दिशा में उठाए जा रहे ठोस कदमों का असर अब जमीन पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। इसी क्रम में कानपुर नगर में बिजली उत्पादन का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, जहां शहर की छतें अब छोटे–छोटे पावर हाउस के रूप में उभर रही हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत स्थापित सोलर रूफटॉप सिस्टम से कानपुर नगर में करीब 64 मेगावाट क्षमता की सौर बिजली का उत्पादन हो रहा है। नेडा के आंकड़ों के अनुसार अब तक जिले में 20,756 सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाए जा चुके हैं, जिससे कानपुर नगर प्रदेश में सोलर रूफटॉप स्थापना के मामले में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस उपलब्धि पर ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने जनपदवासियों को बधाई देते हुए इसे स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ी सफलता बताया है।ऊर्जा विशेषज्ञों के अनुसार 64 मेगावाट सौर उत्पादन सालाना लगभग 9.6 करोड़ यूनिट स्वच्छ बिजली के बराबर है। मौजूदा बाजार दरों के हिसाब से इसका वार्षिक आर्थिक मूल्य करीब 34 से 38 करोड़ रुपये आंका जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इतनी मात्रा में बिजली पारंपरिक स्रोतों से खरीदी जाए तो सरकार, संस्थानों और आम उपभोक्ताओं को हर साल इतनी बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती। सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाने वाले उपभोक्ताओं को इसका सीधा लाभ बिजली बिलों में कमी के रूप में मिल रहा है, जिससे आम लोगों की मासिक बचत भी बढ़ी है।फरवरी 2024 से शुरू हुई प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत कानपुर नगर में सोलर रूफटॉप स्थापना की रफ्तार लगातार बनी हुई है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 80 से 90 नए सोलर सिस्टम लगाए जा रहे हैं। व्यक्तिगत आवासों के साथ–साथ बहुमंजिला इमारतों और हाउसिंग सोसाइटियों के कॉमन एरिया में भी सोलर सिस्टम लगाए जा रहे हैं, जिससे शहरी स्तर पर विकेंद्रीकृत बिजली उत्पादन का आधार मजबूत हो रहा है। इससे न केवल बिजली आपूर्ति पर दबाव कम हो रहा है, बल्कि शहर को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम माना जा रहा है।ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों के मुताबिक 64 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन से सालाना करीब 80 हजार टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आती है। पर्यावरणीय दृष्टि से यह लाभ लगभग 35 लाख पेड़ लगाने के बराबर आंका जा रहा है। इसके अलावा इतनी क्षमता से प्रतिदिन औसतन 30 से 35 हजार शहरी घरों की बिजली जरूरत पूरी की जा सकती है। कोयला आधारित बिजली की तुलना में सौर ऊर्जा को सस्ती, प्रदूषण मुक्त और दीर्घकालिक समाधान माना जा रहा है, जो आने वाले वर्षों में ऊर्जा संकट से निपटने में अहम भूमिका निभाएगी।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत प्रति किलोवाट सोलर रूफटॉप सिस्टम से रोजाना औसतन करीब 5 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है। सोलर सिस्टम की लागत प्रति किलोवाट लगभग 60 से 65 हजार रुपये बताई जा रही है। योजना के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी का प्रावधान किया गया है, जिसमें एक किलोवाट पर कुल 45 हजार रुपये तक का अनुदान तथा अधिकतम 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सहायता निर्धारित है। इसके साथ ही बैंकों के माध्यम से 6 से 7 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे आम नागरिकों के लिए सोलर सिस्टम लगवाना और अधिक आसान हो गया है।नेडा, कानपुर नगर के परियोजना अधिकारी राकेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि शासन के निर्देश पर योजना को तेजी से लागू किया जा रहा है और जिले में सोलर रूफटॉप स्थापना की गति लगातार बढ़ रही है। वहीं जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने

डिम्पल यादव का जन्मदिन प्रदेशभर में उल्लास के साथ मना, लखनऊ में महिलाओं की विशेष भागीदारी, सेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजा आयोजन

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी की मैनपुरी से लोकसभा सांसद डिम्पल यादव का जन्मदिन गुरुवार को राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं, नेताओं और बड़ी संख्या में महिलाओं ने जन्मदिन कार्यक्रमों में भाग लेकर डिम्पल यादव को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर केक काटे गए, कंबल वितरित किए गए और जगह–जगह भंडारे का आयोजन हुआ।समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में उत्सव का माहौल देखने को मिला, जहां किशन सिंह के बैंड ने गीत–संगीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को खुशनुमा बना दिया। कई टोलियों में महिलाएं गीत गाते हुए डिम्पल यादव को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचीं और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात भी की। अखिलेश यादव ने जन्मदिन की बधाई देने आए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और उनके स्नेह व समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की मौजूदगी में महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव के आयोजन में केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर बिरयानी का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, रमेश प्रजापति, विजय सिंह, सुरेन्द्र नायक, मणींद्र मिश्र, देवेन्द्र सिंह जीत, एसके राय सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।एडवोकेट अब्दुल मजीद मंसूरी और रिंकी सिंह की ओर से कंबल वितरण किया गया, जिसमें यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा भी मौजूद रहे। अपर्णा जैन और वीरेंद्र की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया। पूजा यादव ने वाराणसी स्थित अन्नपूर्णा देवी मंदिर का प्रसाद और अंगवस्त्र लाकर भेंट किया।यहां एसिड पीड़ित स्टाफ को फखरूल हसन चांद, दीपक रंजन और उनके साथियों द्वारा शाल और कंबल भेंट किए गए।जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वालों में मुन्नी पाल, सिम्मी प्रजापति, पूजा यादव, भारती चौहान, इशरत हक, राबिया बेगम, समन कटेरिया, प्रिया पाठक, अनीता यादव, अंजू चौहान, अंशू कोडिया, विजयश्री गौतम, पायल सिंह, चिंता यादव, शर्मिला महाराज, लता जायसवार, सीमा यादव, कालिंदी भारद्वाज, नसरीन, मालती यादव, मनीषा साहा, मनीषा यादव, रितु यादव, ऊषा गौतम, शबनम जहां, पूजा गुप्ता, सरोज यादव, रीता निषाद, पूजा वर्मा, साधना सिंह, जीनत, आशमा, मंगला यादव, शबनम खां, सलमा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और कार्यकर्ता शामिल रहीं।सेवा, सौहार्द और संगठनात्मक एकजुटता के संदेश के साथ डिम्पल यादव का जन्मदिन कार्यक्रम प्रदेशभर में समाजवादी पार्टी के लिए उत्साह और सक्रियता का प्रतीक बनकर सामने आया।

मायावती की प्रेस कान्फ्रेंस में बड़ा हादसा टला, शार्ट सर्किट से मची अफरातफरी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब कार्यक्रम समाप्त होने के ठीक पहले अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। शॉर्ट सर्किट के चलते प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल में धुआं फैल गया, जिससे कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई।

घटना के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों और प्रशासनिक कर्मचारियों ने पूरी सतर्कता और तत्परता दिखाते हुए हालात को नियंत्रित किया। अग्नि सुरक्षा उपकरणों का तत्काल उपयोग कर संभावित खतरे को समय रहते टाल दिया गया। सुरक्षाकर्मियों ने सुरक्षा घेरे में लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को सुरक्षित रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल से बाहर निकाला।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शॉर्ट सर्किट होते ही हॉल में धुआं–धुआं सा माहौल बन गया, जिससे वहां मौजूद मीडियाकर्मियों और कार्यकर्ताओं में कुछ समय के लिए दहशत फैल गई। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने और त्वरित कार्रवाई के चलते किसी भी प्रकार की जनहानि या बड़ा नुकसान नहीं हुआ।प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है और शॉर्ट सर्किट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद स्थिति पूरी तरह सामान्य बताई जा रही है।

मायावती का बड़ा ऐलान: BSP अकेले लड़ेगी 2027 का चुनाव, गेस्ट हाउस कांड और PDA पर सपा को घेरा

लखनऊ। अपने जन्मदिन के अवसर पर बसपा सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कई अहम राजनीतिक बयान दिए। उन्होंने गेस्ट हाउस कांड का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय उनके ऊपर हमला हुआ था, जिसमें समाजवादी पार्टी से जुड़े हजारों गुंडे शामिल थे और सरकारी मशीनरी का खुला दुरुपयोग किया गया।

मायावती ने स्पष्ट किया कि बहुजन समाज पार्टी वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव किसी भी दल से गठबंधन किए बिना अकेले लड़ेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि सत्ता में वापसी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी और उत्तर प्रदेश में बसपा की सरकार जरूर बनेगी।बसपा प्रमुख ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा की सरकार में गुंडों का बोलबाला रहा और दलितों पर अत्याचार हुए। उन्होंने अखिलेश यादव के च्च। अभियान को छलावा बताते हुए कहा कि सपा की मानसिकता दलित विरोधी रही है।ब्राह्मण समाज को लेकर बोलते हुए मायावती ने कहा कि भाजपा, सपा और कांग्रेसकृतीनों ही दलों में ब्राह्मणों की उपेक्षा हो रही है, जबकि बसपा ने हमेशा ब्राह्मण समाज को सम्मान और प्रतिनिधित्व दिया है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज किसी के बहकावे या 'बाटी–चोखा' की राजनीति में आने वाला नहीं है और बसपा सरकार में उनका पूरा ख्याल रखा जाएगा।

मायावती ने कहा कि बसपा सरकार ने महापुरुषोंकृमहात्मा ज्योतिबा फुले, नारायण गुरु और छत्रपति साहूजी महाराजकृका सम्मान करते हुए उनकी प्रतिमाएं स्थापित कीं और उनके विचारों को आगे बढ़ाया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकारें बसपा की योजनाओं के नाम बदलकर चला रही हैं, लेकिन उनका लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है।उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से उनका जन्मदिन 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो बसपा की जनहितकारी सोच को दर्शाता है। उन्होंने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को नववर्ष की शुभकामनाएं भी दीं।मायावती ने यह भी आरोप लगाया कि देश में बसपा के मूवमेंट को रोकने के लिए जातिवादी पार्टियां साम, दाम, दंड और भेद की नीति अपना रही हैं। उन्होंने ईवीएम को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि बसपा को कमजोर करने की साजिशें की जा रही हैं।अंत में मायावती ने कहा कि बसपा सर्व समाज के लिए काम करती रही है। पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और ब्राह्मण समाजकृसभी का समान रूप से ख्याल रखा जाएगा। बसपा सरकार में मंदिर, मस्जिद और चर्च सभी सुरक्षित रहेंगे और प्रदेश में कानून–व्यवस्था तथा सामाजिक सौहार्द कायम किया जाएगा।

मकर संक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में सेवा और सततता का संगम, रुक्त सेंटर का उद्घाटन

लखनऊ। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गोरखपुर स्थित प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर सेवा, सततता और सामाजिक जागरूकता का सजीव केंद्र बन गया। पारंपरिक खिचड़ी मेले की श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में रुक्त सेंटर का उद्घाटन किया गया। यह पहल 'रिड्यूस, रीयूज और रीसायकल' की अवधारणा को जन–जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इस पहल के अंतर्गत जरूरतमंदों को वस्त्र वितरित किए गए, जिससे यह संदेश दिया गया कि सच्ची आस्था करुणा, सेवा और संवेदनशीलता में निहित होती है। पवित्र स्नान पर्व में शामिल श्रद्धालुओं को स्वच्छता बनाए रखने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जिम्मेदार आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।पूरे मंदिर परिसर में "स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत" का संदेश गूंजता रहा। यह धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव सामाजिक परिवर्तन के एक सामूहिक अभियान में परिवर्तित होता नजर आया। परंपरा और आधुनिक नागरिक जिम्मेदारी के इस सुंदर समन्वय ने यह सिद्ध किया कि पर्व और उत्सव सामाजिक बदलाव के सशक्त माध्यम बन सकते हैं।गोरखपुर से शुरू हुई यह प्रेरणादायक पहल सामुदायिक सहभागिता की एक सशक्त मिसाल है, जो कचरा मुक्त भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करते हुए देश को स्वच्छ और सतत भविष्य की ओर एक कदम और आगे बढ़ाती है।

जयपुर में पहली बार असैन्य क्षेत्र में आयोजित 78वां सेना दिवस, स्वदेशी सैन्य शक्ति और शौर्य का भव्य प्रदर्शन

जयपुर। भारतीय सेना ने 78वां सेना दिवस गुरुवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित महल रोड पर पूरे सैन्य गौरव, अनुशासन और परंपरागत शान के साथ मनाया। यह चौथी बार है जब सेना दिवस परेड दिल्ली से बाहर आयोजित की गई तथा पहली बार किसी असैन्य क्षेत्र में इसका आयोजन हुआ। राजस्थान को पहली बार इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ।सैन्य उत्कृष्टता, गौरवशाली परंपराओं और राष्ट्रीय स्वाभिमान के इस भव्य प्रदर्शन को देखने के लिए राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, मिजोरम के राज्यपाल जनरल (से.नि.) वी.के. सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सप्तशक्ति कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह सहित अनेक सैन्य एवं नागरिक गणमान्य जन उपस्थित रहे।थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। दक्षिण पश्चिम कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हरविंदर सिंह के नेतृत्व में आयोजित परेड में भारतीय सेना ने अपने शौर्य, साहस और अजेय शक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस वर्ष की थीम

'भारतीय सेनाकृशौर्य और बलिदान' रही।परेड में परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र और वीर चक्र विजेता विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। स्वदेशी सैन्य क्षमता, आधुनिक आयुध और उभरती तकनीकों ने दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। ब्रह्मोस मिसाइल, भीष्म और अर्जुन टैंक, के–9 वज्र तोप, बीएमपी वाहन, 155 मिमी अमोघ, नामिस (नाग मिसाइल प्रणाली), पिनाका रॉकेट लॉन्चर सिस्टम, शिल्का हथियार प्रणाली, ड्रोन शक्ति, ड्रोन जैमर तकनीक और इलेक्ट्रिक ऑल–टेरेन व्हीकल आकर्षण का केंद्र रहे। नवगठित भैरव बटालियन सहित भारतीय सेना की सात रेजीमेंट्स ने शानदार मार्च पास्ट किया।अभिनव सैन्य प्रणालियों में रोबोटिक म्यूल, स्वाथी वेपन लोकेटिंग रडार, मॉड्यूलर ब्रिजिंग सिस्टम, मल्टी बैरल रॉकेट सिस्टम, वाहन आधारित इन्फेंट्री मोर्टार सिस्टम, ड्रोन जैमर सिस्टम, मोबाइल कम्युनिकेशन नोड और अजय केतु ऑल–टेरेन व्हीकल जैसी अत्याधुनिक प्रणालियों का प्रदर्शन किया गया। भारतीय सेना के विभिन्न बैंड्स के साथ नेपाल आर्मी बैंड की सहभागिता ने भारतदृनेपाल के विशेष सैन्य संबंधों को रेखांकित किया। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के प्रतीक स्वरूप गर्ल्स एनसीसी टुकड़ी ने भी मार्च पास्ट किया।परेड से पूर्व ऑपरेशन 'सिंदूर' एवं अन्य अभियानों में अदम्य साहस और वीरता के लिए सूबेदार मेजर पवन कुमार, हवलदार सुनील कुमार सिंह, लांस नायक दिनेश कुमार, लांस नायक सुभाष कुमार और लांस नायक प्रदीप कुमार को मरणोपरांत 'सेना मेडल (गैलेंट्री)' से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में आत्मनिर्भर और नए भारत की झलक के साथ राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी प्रस्तुत की गई। भरतपुर की फूलों की होली की रंग–बिरंगी झांकियों के साथ कच्छी घोड़ी, दंगल, गैर और कालबेलिया जैसे लोकनृत्यों ने सभी का मन मोह लिया।तीन चेतक हेलीकॉप्टरों ने तिरंगा और संयुक्त सेनाध्वज के साथ पुष्पवर्षा की, जबकि अपाचे सहित अन्य हेलीकॉप्टरों ने विभिन्न फॉर्मेशन में फ्लाई–पास्ट कर परेड को भव्यता प्रदान की। सेना सेवा कोर के 'टॉरनेडो' बाइक करतब, पैराट्रूपर्स के रोमांचक प्रदर्शन और समापन पर नाल एयरबेस से आए तीन जगुआर लड़ाकू विमानों की गर्जना ने माहौल को देशभक्ति से ओत–प्रोत कर दिया।

इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, पूर्व सैनिक, युवा और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति के अवसर पर निःशुल्क मैडिकल कैंम्प शारदा तट पर दिखे सैकड़ों मरीज

विश्वकांत त्रिपाठी

पलिया कलां लखीमपुर खीरी।श्रीकुल सेवा संस्थान के संयोजन में बजाज हिन्दुस्थान शुगर मिल तथा प्राइवेट मेडिकल वेलफेयर एसोसिएशन के सुयोग्य चिकित्सको द्वारा शारदा नदी तट के सरस्वती घाट पर श्रीकुल पीठ के कल्पवास शिविर मे मकर संक्रांतिघ् के पावन अवसर पर निरू शुल्क स्वास्थ्य शिविर मे सैकड़ो महिला–पुरुषो तथा बच्चों का स्वास्थ परिक्षण कर दवाएं वितरित की गयी। जहां खिचड़ी भोजकरा चिकित्सा शविर का शुभारंभ श्री संस्थान के संस्थापक आचार्य पंडित गोविंद माधव मिश्र ने सभी का खिचड़ी प्रसाद भंडारा करा चिकित्सकों का तिलक चंदन कर स्वागत करते हुए माल्यार्पण कर स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ कराया। हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड पलिया और प्राइवेट मेडिकल प्रैक्टिशनर वेलफेयर एसोसिएशन पलिया ,के द्वारा एक संयुक्त चिकित्सा कैंप का आयोजन शारदा तट पर श्रीकुल सेवा संस्थान(श्रीकुल परिवार)के कल्पवास स्थल कैम्पस में निम्नलिखित प्रमुख चिकित्सा उपलब्ध रहे डॉ.अजय कुमार अवस्थी(बाल रोग विशेषज्ञ),डॉ. मयंक गुप्ता (चिकित्साधिकारी चीनी मिल पलिया), डॉ. रवीन्द्र पाल सिंह बाठ (ड.क डमकपबपदम), डॉ. प्रियंक गुप्ता (जनरल फिजिशियन),डॉ. शिल्पी श्रीवास्तव (महिला रोग विशेषज्ञ), डॉ अंशुल शुक्ला (जनरल फिजिशियन), डॉ. योगेश राणा (जनरल फिजिशियन),डॉ. अभिजीत गोस्वामी (जनरल फिजिशियन) डा.संदीप पाल(जर्नल फिजीसियन),लक्ष्मीकांत (सीनियर फार्मासिस्ट चीनी मिल पलिया),सचिन पांडे(फार्मासिस्ट चीनी मिल पलिया) समेत श्रीकुल परिवार के वरिष्ठ सेवादार पत्रकार रामचंद्र शुक्ल,मोतीलाल गुप्ता भीरा,विश्वकांत, रोटेरियन डी.के. श्रीवास्तव,एड.गगन मिश्रा, सोमेश माधव,समेत तमाम पदाधिकारी सेवादार और आम जनमान मौजूद रहें।

माजपा प्रदेश मुख्यालय पर मोर्चा-प्रकोष्ठों की बैठक, 2027 के लक्ष्य को लेकर कार्यकर्ताओं को मिला मार्गदर्शन

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर गुरुवार को पार्टी के मोर्चों प्रकोष्ठों और विभागों के अध्यक्षमहामंत्री तथा संयोजकध्सहसंयोजकों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री श्री पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह ने मार्गदर्शन दिया। बैठक का संचालन विभाग एवं प्रकोष्ठों के प्रभारी श्री ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने किया।प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री श्री पंकज चौधरी ने कहा कि विभागों और प्रकोष्ठों में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका संगठन में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। संगठन में कोई भी दायित्व छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि हर जिम्मेदारी समान रूप से अहम होती है। कार्यकर्ता अपने परिश्रम, समर्पण और संगठनात्मक कौशल के बल पर पार्टी और समाज में विशिष्ट पहचान बनाता है।

उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने में विभागों और प्रकोष्ठों की निर्णायक भूमिका होती है। इनके माध्यम से विभिन्न सामाजिक समूहों से जुड़े लोगों को पार्टी से जोड़ा जाता है, जिससे संगठन और अधिक मजबूत बनता है।श्री पंकज चौधरी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के

नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण, गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। देश आज आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने कानून–व्यवस्था, सुशासन, बुनियादी ढांचे के विकास और गरीब कल्याण के क्षेत्रों में नए मानक स्थापित किए हैं। उत्तर प्रदेश आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है और ह परिवर्तन भाजपा सरकार की नीतियों तथा दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है।

प्रदेश अध्यक्ष ने 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी को 2017 से भी बड़ी और ऐतिहासिक विजय के लक्ष्य के साथ अभी से जुट जाना होगा। प्रत्येक कार्यकर्ता को संपर्क, संवाद और सेवा के भाव के साथ जनता के बीच जाकर कार्य करना होगा तथा संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्वों का निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ निर्वहन करना होगा।उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं है और वह झूठ, भ्रम व दुष्प्रचार के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन भाजपा का जागरूक और प्रतिबद्ध कार्यकर्ता तथ्यों और सच्चाई के साथ विपक्ष के हर झूठ को बेनकाब करेगा।प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता–आधारित और विचारधारा–प्रधान संगठन है। पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसका अनुशासित, समर्पित और प्रशिक्षित कार्यकर्ता है, जो हर परिस्थिति में संगठन के साथ खड़ा रहता है।उन्होंने कहा कि मोर्चा, विभाग और प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता पार्टी और समाज के बीच सेतु का कार्य करते हैं। इन्हीं के माध्यम से पार्टी की नीतियां, सरकार की योजनाएं और संगठन का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचता है। संगठन की मजबूती का आधार यही इकाइयां हैं, जो निरंतर संपर्क, संवाद और सेवा के माध्यम से जनविश्वास को सुदृढ़ करती हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन की योजनानुसार जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाना चाहिए, ताकि संगठन और समाज के बीच विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

चाइनीज मांझे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान

गोला गोकर्णनाथ खीरी।

गत वर्ष भांति इस वर्ष पुनः चाइनीज मांझे के दुष्प्रभावों के विरुद्ध जनजागरूकता के उद्देश्य से "छोटी काशी पतंग महोत्सव 2.ब" का भव्य एवं आकर्षक आयोजन नगर पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल 'रिंकू' एवं गोला टूरिज्म संगठन के संयुक्त तत्वावधान में 21 एवं 22 जनवरी 2026 को स्व. राजेंद्र गिरि स्मारक स्टेडियम, गोला गोकर्णनाथ में किया जाएगा।इस आयोजन को लेकर नगर पालिका परिषद में पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल 'रिंकू' की अध्यक्षता में आयोजन समिति एवं निर्णायक मंडल की संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य न केवल पतंगबाजी की परंपरा को उत्सव के रूप में प्रस्तुत करना है, बल्कि समाज को चाइनीज मांझे से होने वाले खतरों के प्रति भी सचेत करना है एवं उनका प्रयोग पूर्णतः बंद हो यह बताना है।प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण 16 जनवरी से 19 जनवरी 2026 सायं 5 बजे तक नगर पालिका परिषद कार्यालय में किया जाएगा। प्रतिभागियों को पंजीकरण के समय आधार कार्ड की मूल प्रति एवं फोटोकॉपी तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

महोत्सव में दो वर्ग रखे गए हैं जूनियर (16 वर्ष तक) एवं सीनियर (16 वर्ष से अधिक)। सीनियर वर्ग में विजेताओं को क्रमशः घ्5100, घ्2100 एवं घ्1100 तथा जूनियर वर्ग में घ्2100, घ्1500 एवं घ्1100 की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतिभागियों को पतंग आयोजन स्थल पर उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि सद्दी स्वयं लानी होगी। देशी मांझा का प्रयोग अनिवार्य रहेगाय चाइनीज मांझा पाए जाने पर प्रतिभागिता निरस्त कर दी जाएगी। निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा इस पहल का उद्देश्य आम जनता, विशेषकर दुकानदारों और बच्चों को चाइनीज मांझे के गंभीर परिणामों के प्रति जागरूक करना है। इसका लक्ष्य समाज में इसके पूर्ण प्रतिबंध के लिए चेतना पैदा करना भी है। चाइनीज मांझा पक्षियों और पशुओं के लिए हानिकारक है, साथ ही राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और आम नागरिकों के लिए भी खतरनाक हो सकता है। इसके उपयोग से कई बार दुर्घटनाएं होती हैं।

छोटी काशी पतंग महोत्सव 2.ब नगर की सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करने के साथ–साथ सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल पतंगबाजी का संदेश भी देगा। क्षेत्रवासियों से प्रभावी सहभागिता कर इस महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।बैठक में गोला टूरिज्म संगठन के सचिव इं. मिलिंद शुक्ल, रविन्द्र कटियार, डॉ. सौरभ दीक्षित, डॉ. आदर्श दीक्षित, डॉ. योगेश कनौजिया, राजेंद्र सोनी, कुलदीप तिवारी, कमल नयन शुक्ल एवं अनिकेत अवस्थी उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने चढ़ाई आस्था की खिचड़ी, लोकमंगल की कामना

गोरखपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार तड़के ब्रह्म मुहूर्त में प्रातः चार बजे गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार महायोगी गुरु गोरखनाथ को विधि–विधान से आस्था की पवित्र खिचड़ी अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने शिवावतार महायोगी से लोकमंगल तथा प्रदेशवासियों समेत सभी नागरिकों के सुखमय और समृद्ध जीवन की कामना की।

खिचड़ी अर्पण के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मीडियाकर्मियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बुधवार से ही पूरे प्रदेश में श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़ा हुआ है। लाखों श्रद्धालु गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी अर्पित कर रहे हैं, वहीं प्रयागराज में संगम तट पर आस्था की पवित्र डुबकी लगा रहे हैं। यह सिलसिला गुरुवार को भी निरंतर जारी है।

बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाना मेरा सौभाग्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में आज लाखों श्रद्धालु पंक्तिबद्ध होकर भगवान गोरखनाथ के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर की विशिष्ट पूजा के उपरांत बाबा गोरखनाथ को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ।"

जगत की आत्मा हैं सूर्यदेव

सीएम योगी ने मकर संक्रांति के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह भारतीय पर्व–परंपरा का अत्यंत महत्वपूर्ण उत्सव है। सूर्यदेव को जगत की आत्मा बताते हुए उन्होंने कहा कि यह पर्व शुभ और मांगलिक कार्यों की शुरुआत का प्रतीक है। मकर संक्रांति के साथ ही सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं और उत्तरायण का आरंभ होता है। उत्तरायण काल में दिन बड़े और रातें छोटी होती हैं, जो जीवन में ऊर्जा और जीवंतता का संचार करता है।

देशभर में अलग–अलग रूपों में मनाया जाता है मकर संक्रांति पर्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति ऐसा पर्व है जो देश के हर हिस्से में अलग–अलग नाम और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। पूर्वी भारत में बिहू या तिलवा संक्रांति, पश्चिम में लोहड़ी, दक्षिण में पोंगल और उत्तर भारत में खिचड़ी संक्रांति के रूप में यह पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

देश–विदेश से आए श्रद्धालुओं का किया अभिनंदन

मकर संक्रांति के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विभिन्न धर्मस्थलों पर देश–विदेश से आए श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए सभी के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि एक ओर गोरखपुर में श्रद्धालु बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी अर्पित कर रहे हैं, वहीं प्रयागराज में कल्पवासी, संतजन और श्रद्धालु संगम में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती के सान्निध्य में आस्था की पवित्र डुबकी लगाकर अपनी साधना को सार्थक कर रहे हैं।

मनरेगा बचाओ संग्राम के अंतर्गत हुआ चौपाल का आयोजन

लखीमपुर खीरी, 15 जनवरी 2026 को न्याय पंचायत ज्ञानपुर (सिंगारपुर महेवा गंज श) ब्लॉक फूलबेहड़ विधानसभा श्रीनगर में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कार्यक्रम एवं चौपाल सभा का आयोजन कोऑर्डिनेटरध्द जिला महासचिव रामपाल शाक्य के नेतृत्व में किया गया। रामपाल शाक्य ने मनरेगा बचाव संवाद को विस्तार पूर्वक चर्चा की। जिस में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष मुख्य संगठन प्रभारीधजिला प्रवक्ता डा0 रईस अहमद उस्मानी मौजूद रहे। तथा श्री उस्मानी, एड०जावेद अहमद, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता

आदि सभी ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये।

इस मौके पर – श्हाजी शराफत अली अध्यक्ष न्याय पंचायत ज्ञानपुर, गुलफाम अहमद अंसारी, मोहम्मद इजहार, रमाकांत वर्मा, तैयब खान, लियाकत अली, मोहम्मद शकील, कलामुद्दीन, मुमताज अली, महताब अली, इमरान अली अंसारी, मोहम्मद सलीम, तौहीद अहमद आदि ने इस चौपाल में प्रतिभाग किया।

जेएसएसएस ने मचाई लोहड़ी व खिचड़ी की धूम

(हरिशंकर मिश्र)

लखीमपुर खीरी। जन समृद्धि सेवा संस्थान (जे.एस.एस.एस) लखीमपुर खीरी के पदाधिकारी और सदस्यों के द्वारा लोहड़ी उत्सव का मोहल्ला अयोध्यापुरी कॉलोनी में भव्य एवं उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों के साथ–साथ उनके परिवारजनों ने भी बढ़–चढ़कर सहभागिता की और पारंपरिक पर्व लोहड़ी व खिचड़ी के पर्व पर आपस में खुशियाँ साझा कीं।कार्यक्रम की अध्यक्षता जन समृद्धि सेवा संस्थान के संस्थापकध्अध्यक्ष शत्रुजीत सिंह चौहान ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन न केवल हमारी परंपराओं को सहेजते हैं, बल्कि आपसी भाईचारे और संगठनात्मक एकता को भी मजबूत करते हैं। सामाजिक संस्था के पदाधिकारी व सदस्यों ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाने में अपनी महती भूमिका निभाई।

ऐसे आयोजन परिवारों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे संगठन और अधिक सशक्त बनता है। उपरोक्त कार्यक्रम में संस्था के उपाध्यक्ष अवधेश गुप्ता, महामंत्री धीरज मिश्रा, कोषाध्यक्ष राज किशोर अवस्थी, जसपाल सिंह, इंद्रजीत सिंह, धीरज मिश्रा,कमल मिश्रा, कन्हैया गुप्ता , राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष पंडित शिव प्रसाद द्विवेदी, अनुराग शुक्ला, आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने पारंपरिक लोहड़ी की पावन अग्नि के साथ पर्व मनाया, एक–दूसरे को शुभकामनाएँ दीं तथा प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

मकर संक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चढ़ाई खिचड़ी, प्रदेशवासियों के आरोग्य व मंगल की कामना

लखनऊध्गोरखपुर। मकर संक्रांति (खिचड़ी) के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने आज ब्रह्म मुहूर्त में गोरखनाथ मंदिर में विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने शिवावतारी महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ जी को खिचड़ी अर्पित की।पूजन के पश्चात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने गुरु श्री गोरखनाथ जी से प्रदेश सहित समस्त देशवासियों के जीवन में आरोग्य, सद्भाव, सुख–शांति और मंगल की कामना की। मकर संक्रांति के इस पावन अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा।खिचड़ी पर्व को लेकर गोरखनाथ मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह पर्व सामाजिक समरसता, सेवा और सनातन परंपराओं का प्रतीक माना जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, ४० वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी २/३७६ रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ० प्र० से प्रकाशित।

सम्पादक

आरती पाण्डेय

ek-

9807059191- 9026560178

Email-

adbhutsamachar@gmail.com

adbhutsamachar@hotmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।